नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

हिंदी व्याकरण

भाग 5

लेखिका :
रूपल गर्ग

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
सर्वनाम
विलोम शब्द
विशेषण संज्ञा
भाषा और व्याकरण
कहानी-लेखन
वाक्य
वर्ण और वर्णमाला
लिंग
स्वरों की मात्राएँ
शुद्ध रूप
क्रिया
पर्यायवाची शब्द
वचन
निबंध-लेखन
शब्द-विचार

हिंदी व्याकरण

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

इस पुस्तक की विषयवस्तु, चित्र आदि प्रकाशन की संपत्ति हैं। इनका सर्वाधिकार सुरक्षित है। प्रकाशक की अनुमति के बिना पुस्तक के किसी भी भाग का पूर्णत: या अंशत: प्रकाशन, छायाप्रति, अनुवाद या किसी अन्य विधि से इसका उपयोग करना वर्जित है।

सर्वोदक गण :

आशीष गुप्ता

लेसर टाईप सेटिंग :

एम॰ ग्राफिक्स
(9760971010)

हिंदी व्याकरण

प्राक्कथन.....

मानव-मुख से निकली सार्थक वाणी को 'भाषा' कहते हैं। भाषा से ही मानव अपने विचारों का आदान-प्रदान करता है। किसी भाषा के अध्ययन-अध्यापन के लिए उस भाषा के व्याकरण का ज्ञान होना आवश्यक है। वास्तव में व्याकरण का यह ज्ञान ही भाषा का उचित प्रयोग करना सिखाता है। जिस प्रकार गुरु ज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा है उसी प्रकार व्याकरण के ज्ञान के बिना शुद्ध और मानक भाषा का ज्ञान भी अधूरा है।

'हिंदी व्याकरण' पुस्तकमाला के अंतर्गत प्रकाशित पुस्तकें व्याकरण को उसकी जटिलताओं से मुक्त कराकर बालक को भाषा के शुद्ध एवं मानक रूप का ज्ञान कराने में अध्यापकों के लिए निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होंगी।

पुस्तकमाला के प्रमुख आकर्षण :

* विषय के केन्द्र में छात्रों की बौद्धिक क्षमता और उसके संतुलन को विचारपूर्ण दृष्टि से रखा गया है।
* भाषा, व्याकरण, वर्णमाला, शब्द रूपों से संबंधित विषयों को व्यावहारिक उदाहरणों व लक्षणों सहित संबंधित चित्रों के साथ समझाया गया है।
* प्रत्येक पुस्तक में अभ्यासों की योजना इस प्रकार से की गई है कि विद्यार्थियों के अर्जित ज्ञान को परखा जा सके।
* वर्णों के ज्ञान तथा उनके शुद्ध उच्चारण, शब्दों की शुद्ध वर्तनी तथा शुद्ध वाक्यों की रचना पर विशेष बल दिया गया है।
* भाषा-रचना पर भी कक्षा-स्तर के अनुरूप विशेष सामग्री नमूने के रूप में उपलब्ध की गई है। इसके अंतर्गत पत्र, अनुच्छेद, निबंध, कहानी आदि के लिखने के ढंग एवं अपठित गद्यांश देकर छात्रों में मौखिक तथा लिखित दोनों रूप से अभिव्यक्ति की सृजनात्मक शक्ति के विकास का प्रयास किया गया है।

आशा है यह पुस्तक श्रृंखला विद्यार्थियों के लिए रुचिकर और उपयोगी सिद्ध होगी। पुस्तक को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए सहायक शिक्षक बंधु एवं विद्वान मित्रों के सुझावों का सहर्ष स्वागत किया जाएगा।

–प्रकाशक

विषय-सूची

1.	भाषा, लिपि और व्याकरण	5
2.	वर्ण-विचार	9
3.	शब्द-विचार	15
4.	संज्ञा	20
5.	संज्ञा के विकार	25
6.	सर्वनाम	38
7.	विशेषण	43
8.	क्रिया	48
9.	काल	52
10.	अविकारी शब्द	54
11.	संधि	63
12.	विराम-चिह्न	67
13.	पर्यायवाची शब्द	70
14.	विलोम शब्द	72
15.	समश्रुति भिन्नार्थक शब्द	75
16.	अनेकार्थी शब्द	78
17.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	80
18.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	82
19.	पत्र-लेखन	85
20.	अपठित गद्यांश	88
21.	निबंध-लेखन	91
22.	कहानी-लेखन	95

1

भाषा, लिपि और व्याकरण
(Language, Script and Grammar)

भाषा (Language)

बच्चो, पहले मनुष्य को बोलना व लिखना नहीं आता था। वह केवल संकेतों द्‌वारा अपने भाव व्यक्त करता था। धीरे-धीरे वह बोलकर अपने विचार प्रकट करने लगा। कुछ समय बाद उसने लिखकर अपने विचारों को व्यक्त करना सीखा। इस प्रकार अपने भावों का आदान-प्रदान करने के लिए भाषा का जन्म तथा विकास हुआ।

परिभाषा–बोलकर या लिखकर अपने विचार व्यक्त करने का माध्यम 'भाषा' कहलाता है।

भाषा के रूप (Forms of Language)

भाषा के मुख्यतया तीन रूप होते हैं–

बोलकर (मौखिक भाषा)

लिखकर (लिखित भाषा)

इशारा करके (सांकेतिक भाषा)

1. मौखिक भाषा (Oral Language) : जब हम मुख से बोलकर अपनी बात दूसरों को समझाते हैं, तो वह भाषा का 'मौखिक रूप' कहलाता है। आपसी बातचीत, भाषण, वाद-विवाद आदि के समय भाषा का मौखिक रूप प्रयोग किया जाता है।

2. लिखित भाषा (Written Language) : जब हम लिखकर अपने भाव और विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं, तो यह भाषा का 'लिखित रूप' कहलाता है। पत्र, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि लिखित भाषा रूप के प्रयोग हैं।

3. सांकेतिक भाषा (Sign Language) : जब हम हाथ, मुँह या नेत्रों के संकेतों से (इशारा करके) दूसरों को अपनी बात समझाते हैं या दूसरों के संकेतों को समझते हैं, तो यह भाषा का 'सांकेतिक रूप' कहलाता है। चौराहे पर खड़ा सिपाही संकेतों द्‌वारा ही यातायात को नियंत्रित करता है।

याद रखिए

जब तक कोई भाषा केवल बोलचाल के रूप में रहती है और किसी विशेष क्षेत्र में बोली जाती है, तो उसे 'बोली' कहते हैं। भारत में अनेक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। पंजाब में पंजाबी, केरल में मलयालम, महाराष्ट्र में मराठी, तमिलनाडु में तमिल, आंध्र प्रदेश में तेलुगू, कर्नाटक में कन्नड़ आदि।

लिपि (Script)

मौखिक भाषा स्थायी नहीं होती। अपने विचारों को स्थायी रूप प्रदान करने के लिए लिपि आरंभ हुई। प्रत्येक ध्वनि को आकार प्रदान करने के लिए कुछ चिह्न निश्चित किए गए हैं। ये चिह्न ही 'लिपि' कहलाते हैं।

परिभाषा–ध्वनियों के लिए जिन लिखित चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'लिपि' कहते हैं।

प्रत्येक भाषा की अपनी अलग लिपि होती है।

भाषा	लिपि
संस्कृत	देवनागरी
हिंदी	देवनागरी
मराठी	देवनागरी
उर्दू	फ़ारसी

भाषा	लिपि
जर्मन	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी
गुजराती	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन

व्याकरण (Grammar)

जब हम भाषा बोलते हैं तो ध्वनियों का प्रयोग करते हैं। जब लिखते हैं तो वर्णों, शब्दों तथा वाक्यों का प्रयोग करते हैं। प्रत्येक भाषा के कुछ नियम होते हैं। व्याकरण हमें उन नियमों की जानकारी देता है तथा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।

परिभाषा–भाषा के शुद्ध रूप के नियम बताने वाला शास्त्र 'व्याकरण' है।

व्याकरण के तीन मुख्य भाग हैं–

1. **वर्ण-विचार**–इसमें वर्णों के उच्चारण, आकार, भेद तथा उन्हें मिलाने की विधि बताई जाती है।
2. **शब्द-विचार**–इसमें शब्दों के रूप, उत्पत्ति तथा भेद बताए जाते हैं।
3. **वाक्य-विचार**–इसमें वाक्य-निर्माण तथा उन्हें अलग करने की विधि, वाक्य-भेद तथा वाक्यों में आने वाले विराम चिह्न आदि बताए जाते हैं।

हमने सीखा.....

- बोलकर या लिखकर अपने विचार व्यक्त करने का माध्यम 'भाषा' कहलाता है।
- भाषा के मुख्यतया तीन रूप होते हैं–1. मौखिक भाषा, 2. लिखित भाषा, 3. सांकेतिक भाषा।
- ध्वनियों के लिए जिन लिखित चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'लिपि' कहते हैं।
- भाषा के शुद्ध रूप के नियम बताने वाला शास्त्र 'व्याकरण' कहलाता है।

अभ्यास
EXERCISE

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) भाषा के कितने रूप हैं?

(i) दो　(ii) तीन　(iii) चार

(ख) महाराष्ट्र की भाषा कौन-सी है?

(i) कन्नड़　(ii) मराठी　(iii) तेलुगू

(ग) पंजाबी भाषा की लिपि कौन-सी है?

(i) देवनागरी　(ii) गुरुमुखी　(iii) रोमन

(घ) व्याकरण भाषा के किस रूप का ज्ञान है?

(i) शुद्ध　(ii) अशुद्ध　(iii) सांकेतिक

(ङ) किसके अंतर्गत शब्दों के रूप, उत्पत्ति तथा भेद बताए जाते हैं?

(i) वर्ण-विचार　(ii) शब्द-विचार　(iii) वाक्य-विचार

2. सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए—

(क) भाषा के द्वारा हम अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं।

(ख) उर्दू भाषा की लिपि फ़ारसी है।

(ग) भारत में केवल एक ही भाषा बोली जाती है।

(घ) पत्र, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि मौखिक भाषा रूप के प्रयोग हैं।

(ङ) वर्ण-विचार में वर्णों के उच्चारण, आकार, भेद तथा उन्हें मिलाने की विधि बताई जाती है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(क) हर ध्वनि को आकार प्रदान करने के लिए कुछ चिह्न निश्चित किए गए हैं, जिन्हें ______ कहते हैं।

(ख) चौराहे पर खड़ा सिपाही ______ द्वारा यातायात को नियंत्रित करता है।

(ग) जब हम लिखकर अपने भाव और विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं, तो वह भाषा का ______ कहलाता है।

(घ) अंग्रेज़ी भाषा की लिपि ______ है।

(ङ) केरल की भाषा ______ है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) 'भाषा' से क्या अभिप्राय है? इसके रूप भी बताइए।

(ख) लिपि किसे कहते हैं?

(ग) व्याकरण की परिभाषा लिखिए।

____

(घ) व्याकरण के प्रमुख भाग बताइए।

____

5. नीचे लिखे वाक्यों के लिए एक-एक शब्द लिखिए—

(क) लिखकर व्यक्त की जाने वाली भाषा ______________

(ख) संकेतों द्‌वारा व्यक्त की जाने वाली भाषा ______________

(ग) विचारों के आदान-प्रदान का साधन ______________

(घ) राष्ट्र में बोली जाने वाली भाषा ______________

(ङ) बोलकर व्यक्त की जाने वाली भाषा ______________

6. निम्नलिखित भाषा, बोली और लिपि को अलग-अलग करके उचित स्थानों में लिखिए—

हिंदी, पंजाबी, राजस्थानी, देवनागरी, असमिया, गुरुमुखी, भोजपुरी,
अंग्रेज़ी, रोमन, मराठी, फ़ारसी, अरबी, मलयालम, खड़ी बोली

भाषा	बोली	लिपि

2

वर्ण-विचार
(Phonology)

जिस प्रकार ईंट से ईंट जोड़कर भवन बनता है, उसी प्रकार ध्वनि से वर्ण, वर्णों से शब्द और शब्दों से वाक्य बनते हैं। वाक्यों से भाषा का स्वरूप बनता है।

भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है। इस इकाई के और छोटे खंड नहीं हो सकते अर्थात् इसे और अधिक छोटे रूपों में नहीं बाँटा जा सकता।

परिभाषा–वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके और खंड नहीं हो सकते, 'वर्ण' कहलाती है।

ध्वनियों या वर्णों का उच्चारण करते समय श्वास-वायु (साँस) बाहर निकलती है। कुछ वर्णों को बोलते समय तो साँस सीधे बाहर निकल जाती है और उस ध्वनि में अन्य कोई ध्वनि शामिल नहीं होती, लेकिन कुछ ध्वनियों का उच्चारण करते समय साँस मुँह के अंदर कहीं थोड़ी-सी रुकती है और उसमें कोई दूसरी ध्वनि भी मिल जाती है। अतः वर्ण-ध्वनियाँ दो प्रकार की होती हैं–स्वर एवं व्यंजन।

स्वर (Vowels)

जिन वर्णों का उच्चारण करने के लिए दूसरे वर्णों की सहायता नहीं ली जाती, उन्हें 'स्वर' कहते हैं। इनकी संख्या 11 होती है–अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

स्वर के भेद (Kinds of Vowels)

स्वर तीन प्रकार के होते हैं–

1. ह्रस्व स्वर (Short Vowels) : जिन स्वरों को बोलने में कम समय या एक इकाई का समय लगे, उन्हें 'ह्रस्व स्वर' कहते हैं। ये 4 होते हैं–अ, इ, उ, ऋ।

2. दीर्घ स्वर (Long Vowels) : जिन स्वरों को बोलने में अधिक समय लगे या दो इकाई का समय लगे, उन्हें 'दीर्घ स्वर' कहते हैं। ये 7 होते हैं–आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

3. प्लुत स्वर (Longer Vowels) : जिन स्वरों को बोलने में दीर्घ स्वरों से भी अधिक अर्थात् तिगुना समय लगे, उन्हें 'प्लुत स्वर' कहते हैं; जैसे–ओ, म्।

स्वरों की मात्राएँ (Signs of Vowels)

स्वर दो प्रकार से लिखे जाते हैं–एक अपने मूल रूप में; जैसे–अब, इधर, ईद, ऊन, आम आदि में, और दूसरे व्यंजन के साथ मिलाकर; जैसे–काम, चीनी, केला, चूहा आदि में।

हिंदी वर्णमाला में प्रत्येक व्यंजन में 'अ' स्वर मिला रहता है। 'अ' के अतिरिक्त जब कोई स्वर व्यंजन से मिलता है तो उस स्वर का रूप बदल जाता है। स्वर का यही बदला हुआ रूप उसकी 'मात्रा' कहलाता है।

परिभाषा–व्यंजन के साथ स्वर का जो चिह्न लगता है, उसे 'मात्रा' कहते हैं।

स्वर	मात्राएँ	मात्राओं का प्रयोग	शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	क् + अ = क	कम, कलम, कल
आ	ा	क् + आ = का	कान, काल, काम
इ	ि	क् + इ = कि	किसान, किवाड़, किताब
ई	ी	क् + ई = की	कीप, कील, कीमत
उ	ु	क् + उ = कु	कुम्हार, कुर्सी, कुमार
ऊ	ू	क् + ऊ = कू	कूक, कूप, कूद
ऋ	ृ	क् + ऋ = कृ	कृपा, कृष्णा, कृषक
ए	े	क् + ए = के	केवट, केला, केक
ऐ	ै	क् + ऐ = कै	कैमरा, कैद, कैसा
ओ	ो	क् + ओ = को	कोयल, कोमल, कोकिला
औ	ौ	क् + औ = कौ	कौआ, कौशल, कौन

व्यंजन (Consonants)

ऐसे वर्ण जिनका पूरा उच्चारण बिना स्वर के नहीं होता, 'व्यंजन' कहलाते हैं। इनकी संख्या 33 है। चार संयुक्त व्यंजनों के मिलने से इनकी संख्या 37 हो जाती है।

व्यंजन के भेद (Kinds of Consonants)

व्यंजन मुख्यतया पाँच प्रकार के होते हैं–

1. स्पर्श व्यंजन (Mutes) : स्पर्श व्यंजन 25 होते हैं। इन वर्णों के बोलने में जीभ का कंठ, तालु आदि से पूरा स्पर्श होता है; इसलिए इन्हें 'स्पर्श व्यंजन' कहते हैं।

क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म

2. अंतःस्थ व्यंजन (Semi Vowels) : 'अंतःस्थ व्यंजन' उन व्यंजनों को कहते हैं जिनका उच्चारण करते समय हमारी जीभ मुँह के किसी भी भाग से पूरी तरह स्पर्श नहीं करती है। ये संख्या में 4 हैं–य, र, ल, व।

3. ऊष्म व्यंजन (Sibilants) : जिन व्यंजनों के उच्चारण में मुख से गर्म श्वास निकलती है, उन्हें 'ऊष्म व्यंजन' कहते हैं। ये संख्या में 4 हैं–श, ष, स, ह।

4. संयुक्त व्यंजन (Conjuncts) : दो भिन्न व्यंजन-ध्वनियों को मिलाकर लिखे जाने वाले व्यंजनों को 'संयुक्त व्यंजन' कहते हैं। क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्त व्यंजन हैं।

क्ष	=	क्	+	ष	⟶	क्षत्रिय, क्षति, पक्षी
त्र	=	त्	+	र	⟶	पत्र, इत्र, यात्रा
ज्ञ	=	ज्	+	ञ	⟶	यज्ञ, ज्ञान, ज्ञाता
श्र	=	श्	+	र	⟶	श्रमिक, श्रवण, श्रद्धा

5. द्वित्व व्यंजन (Duality Consonants) : जो व्यंजन दो एकसमान व्यंजनों से मिलकर बनते हैं, वे 'द्वित्व व्यंजन' कहलाते हैं; जैसे–

त्त	=	त्	+	त	=	पत्ता
क्क	=	क्	+	क	=	टक्कर
च्च	=	च्	+	च	=	बच्चा
म्म	=	म्	+	म	=	चम्मच

याद रखिए

जिन व्यंजनों में स्वर नहीं होते, उनके नीचे तिरछी रेखा लगा दी जाती है। उस रेखा को 'हलंत्' कहते हैं; जैसे–श्रीमान्।

अयोगवाह (Improper Words)

अयोगवाह वर्ण तीन प्रकार के होते हैं–

1. अनुस्वार (ं) : अनुस्वार एक बिंदु के रूप में किसी वर्ण के ऊपर लगता है। इसका उच्चारण नासिका के द्वारा किया जाता है; जैसे–रंग, हंस, पंख, शंख, पतंग आदि।

2. चंद्रबिंदु (ँ) : चंद्रबिंदु वर्ण के ऊपर अद्र्धचंद्राकार रूप में लगाया जाता है। इसका उच्चारण नाक और मुख की सहायता से किया जाता है; जैसे–साँप, आँख, हँसना, फँसना, पाँच आदि।

3. विसर्ग (ः) : किसी वर्ण के आगे लगी हुई दो बिंदु विसर्ग कहलाती हैं। इसका उच्चारण आधे 'ह्' की तरह होता है। इनकी संख्या भाषा में बहुत कम है; जैसे–अतः, प्रातः, स्वतः, छः आदि।

'र' के विभिन्न प्रयोग

'र' संयोग से कहीं वर्ण के ऊपर आता है और कहीं नीचे। इसके नियम निम्न प्रकार हैं–

1. यदि 'र' स्वर रहित हो, तो वह आगे वाले व्यंजन के ऊपर (ि) के रूप में लगाया जाता है; जैसे–

   श + र् + म = शर्म   व + र् + ष = वर्ष

   क + र् + म = कर्म   ध + र् + म = धर्म

2. यदि 'र' स्वर व्यंजन के बाद हो, तो उसे पदेन रूप (्र) में लिखा जाता है; जैसे–

   क् + र + म = क्रम   प् + र + भु = प्रभु

   भ् + र + म = भ्रम   उ + म् + र = उम्र

3. बिना पाई वाले व्यंजनों (ट, ड) के साथ 'र' पदेन रूप (‸) में लिखा जाता है; जैसे–

ड् + र + म = ड्रम ट् + र + क = ट्रक

4. 'ऋ' की मात्रा भी उच्चारण में 'र' की तरह ही होती है; जैसे–ऋषि, ऋण।

वर्ण-विच्छेद

किसी शब्द के वर्णों को अलग-अलग करना 'वर्ण-विच्छेद' कहलाता है; जैसे–

शांति = श् + आ + न् + त् + इ

कसौटी = क् + अ + स् + औ + ट् + ई

मुक्त = म् + उ + क् + त् + अ

परीक्षा = प् + अ + र् + ई + क् + ष् + आ

अमृत = अ + म् + ऋ + त् + अ

शब्द = श् + अ + ब् + द् + अ

छाता = छ् + आ + त् + आ

हमने सीखा.....

- वर्ण दो प्रकार के होते हैं–1. स्वर, 2. व्यंजन।
- जिन वर्णों का उच्चारण करने के लिए दूसरे वर्णों की सहायता नहीं ली जाती, उन्हें 'स्वर' कहते हैं।
- जिन वर्णों के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता ली जाती है, उन्हें 'व्यंजन' कहते हैं।
- व्यंजन के साथ स्वर का जो चिह्न लगता है, उसे 'मात्रा' कहते हैं।

अभ्यास EXERCISE

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) वर्णों की सबसे छोटी इकाई है–

(i) शब्द ○ (ii) वाक्य ○ (iii) ध्वनि ○

(ख) हिंदी में किस वर्ण की कोई मात्रा नहीं होती?

(i) अ ○ (ii) आ ○ (iii) ऋ ○

(ग) स्वरों की संख्या क्या है?

(i) 11 ○ (ii) 13 ○ (iii) 19 ○

(घ) संयुक्त व्यंजन कितने होते हैं?

(i) 4 ○ (ii) 5 ○ (iii) 6 ○

(ङ) स्पर्श व्यंजनों की संख्या क्या है?

(i) 25 ○ (ii) 26 ○ (iii) 27 ○

2. सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए—

(क) हिंदी वर्णमाला में प्रत्येक व्यंजन में 'अ' स्वर मिला रहता है। ○

(ख) जो व्यंजन दो एकसमान व्यंजनों से मिलकर बनते हैं, वे संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। ○

(ग) जिन स्वरों को बोलने में दो इकाई का समय लगे, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ○

(घ) ऊष्म व्यंजनों के उच्चारण में जीभ का कंठ, तालु आदि से पूरा स्पर्श होता है। ○

(ङ) चंद्रबिंदु का उच्चारण नाक और मुख की सहायता से किया जाता है। ○

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) स्वर किन्हें कहते हैं?

____

(ख) स्वरों के भेद उदाहरण सहित समझाइए।

____

(ग) व्यंजन क्या हैं?

____

(घ) संयुक्त व्यंजन तथा द्वित्व व्यंजन क्या हैं?

____

(ङ) अयोगवाह क्या हैं?

____

4. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए—

प् + र् + ए + म् + अ = ____________________

च् + अ + क् + क् + ई = ____________________

म् + आ + न् + अ + व् + अ = ____________________

म् + अ + क् + ख् + अ + न् + अ = ____________________

य् + आ + त् + र् + आ = ____________________

क् + ऋ + ष् + अ + क् + अ = ____________________

5. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए—

आराम = ____________________

ट्रेन = ____________________

कैलाश = ____________________

कृपा = ____________________

कोयल = ____________________

पुस्तक = ____________________

6. दिए गए व्यंजनों से दो शब्द बनाइए—

त् + त = ______ ______

ज् + ञ = ______ ______

क् + ष = ______ ______

द् + ध = ______ ______

श् + र = ______ ______

ट् + ट = ______ ______

द् + द = ______ ______

त् + र = ______ ______

7. निम्नलिखित शब्दों में उच्चारण के अनुसार अनुस्वार और अनुनासिक चिह्न लगाकर पुनः लिखिए—

सतरा	______	अगीठी	______	पख	______
हस	______	जाच	______	आनद	______
कगारु	______	कघा	______	चाद	______
मथरा	______	बदूक	______	पाच	______

8. 'र' के अलग-अलग रूपों वाले तीन-तीन शब्द लिखिए—

र (ʿ) – ______ ______ ______

र (͵) – ______ ______ ______

र (‸) – ______ ______ ______

9. नीचे लिखे वर्णों में से स्वर और व्यंजन वर्ण अलग-अलग करके लिखिए—

अ, ख, च, इ, ए, ऋ, प, फ, त, ओ, द

स्वर – ______

व्यंजन – ______

10. निम्न व्यंजनों में से स्पर्श, अंतःस्थ और ऊष्म व्यंजन अलग-अलग करके लिखिए—

ग, त, ठ, र, ल, स, क, ह, ढ, स, फ, ङ, य, ख, स, ष, झ, ब, व, म

स्पर्श व्यंजन – ______

अंतःस्थ व्यंजन – ______

ऊष्म व्यंजन – ______

3

शब्द-विचार
(Etymology)

दो या दो से अधिक वर्णों के समूह को 'शब्द' कहते हैं; जैसे–

माला	=	म् + आ + ल् + आ	(चार वर्ण)
बादल	=	ब् + आ + द् + अ + ल् + अ	(छः वर्ण)
किताब	=	क् + इ + त् + आ + ब् + अ	(छः वर्ण)

शब्द दो प्रकार के होते हैं–

1. सार्थक शब्द (Meaningful Words) : जिन शब्दों का कुछ न कुछ अर्थ निकलता हो, उन्हें 'सार्थक शब्द' कहते हैं; जैसे–नहाना, शेर, चाय, खाना आदि।

2. निरर्थक शब्द (Meaningless Words) : जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं निकलता, परंतु इन शब्दों का प्रयोग सार्थक शब्दों के साथ होता है, उन्हें 'निरर्थक शब्द' कहते हैं; जैसे–नहाना-वहाना, शेर-वेर, चाय-वाय, खाना-वाना आदि। इनमें वहाना, वेर, वाय, वाना, शब्द निरर्थक हैं।

शब्दों का वर्गीकरण (Classification of Words)

हिंदी भाषा में शब्दों को चार आधारों पर विभाजित किया गया है–

1. उत्पत्ति के आधार पर
2. रचना के आधार पर
3. अर्थ के आधार पर
4. प्रयोग के आधार पर

1. उत्पत्ति के आधार पर (Based on Origin) : उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं–

(क) तत्सम शब्द (Sanskrit Words)–संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में भी मूल रूप से प्रयोग किये जाते हैं, 'तत्सम शब्द' कहलाते हैं; जैसे–पुष्प, चंद्र, उच्च, मयूर, गृह आदि।

(ख) तद्भव शब्द (Modified Words)–संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में कुछ बदलाव के साथ प्रयोग किये जाते हैं, 'तद्भव शब्द' कहलाते हैं ; जैसे–आम (आम्र), सूरज (सूर्य), आग (अग्नि), दाँत (दंत) आदि।

(ग) देशज शब्द (Regional Words)–ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति अपने ही देश या क्षेत्र-विशेष में हुई है, 'देशज शब्द' कहलाते हैं ; जैसे–पैसा, थैला, भीत, खिचड़ी, रोटी आदि।

(घ) विदेशज शब्द (Foreign Words)–विदेशी भाषाओं के वे शब्द जो हिंदी भाषा में प्रयोग किये जाते हैं, 'विदेशज शब्द' कहलाते हैं; जैसे–रेल, स्टेशन, रोड, मास्टर आदि।

नीचे विदेशी भाषाओं के कुछ ऐसे शब्द दिए गए हैं, जो हिंदी में उन्हीं शब्दों की तरह प्रयोग में आ रहे हैं–

(i) अंग्रेज़ी भाषा के शब्द : स्टेशन, स्कूल, पेंसिल, बोर्ड, मशीन, डॉक्टर, स्टोव, टाइम आदि।

(ii) अरबी भाषा के शब्द : अल्लाह, अदालत, अमीर, गरीब, फौज, कागज, किताब, तहसील आदि।

(iii) फ़ारसी भाषा के शब्द : कागज, सिक्का, किताब, आदमी, जल्दी, चाकू, तमाम आदि।

(iv) चीनी भाषा के शब्द : चाय, लीची, तूफान, पटाखा आदि।

(v) तुर्की भाषा के शब्द : रेशम, कैंची, बहादुर, कुली, कालीन, चम्मच, तमाशा, तोप आदि।

(vi) फ्रांसीसी भाषा के शब्द : पुलिस, इंजीनियर, कार्टून, अंग्रेज़ आदि।

2. रचना के आधार पर (Based on Construction) : रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं–

(क) रूढ़ शब्द (Traditional Words)–वे शब्द जिनके टुकड़े नहीं हो सकते और यदि इनके टुकड़े किए जाएँ, तो उनका कोई अर्थ नहीं होता, 'रूढ़ शब्द' कहलाते हैं; जैसे– नल, खीर, हाथी, पेड़, देश आदि।

(ख) यौगिक शब्द (Compound Words)–दो या दो से अधिक शब्दों के योग (मेल) से बने शब्दों को 'यौगिक शब्द' कहते हैं; जैसे–पुस्तक + आलय = पुस्तकालय, विद्या + आलय = विद्यालय, सूर्य + उदय = सूर्योदय, पाठ + शाला = पाठशाला आदि।

(ग) योगरूढ़ शब्द (Traditional Compound Words)–वे शब्द जो यौगिक होते हुए भी किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, 'योगरूढ़ शब्द' कहलाते हैं; जैसे–

नीलकंठ = नीला + कंठ (नीले कंठ वाला अर्थात् शिव)

दशानन = दश + आनन (दस सिर वाला अर्थात् रावण)

3. अर्थ के आधार पर (Based on Meaning) : शब्दों के एक या अधिक अर्थ होते हैं और उनके समानार्थी एवं विपरीतार्थी शब्द भी भाषा के शब्द-भंडार में होते हैं। अर्थ के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं–

(क) एकार्थी शब्द (Words having One Meaning)–जिन शब्दों का एक ही निश्चित अर्थ होता है, उन्हें 'एकार्थी शब्द' कहते हैं ; जैसे–पुस्तक, दरवाजा, सड़क, दीवार आदि।

(ख) अनेकार्थी शब्द (Words having Various Meanings)–जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं; जैसे–

बल = शक्ति, आघात, टेढ़ापन, जलना

हरि = कृष्ण, विष्णु, चोर, शेर, बंदर

कर = हाथ, किरण, कार्य

(ग) पर्यायवाची शब्द (Synonyms)–लगभग समान अर्थ देने वाले शब्द 'समानार्थी' या 'पर्यायवाची शब्द' कहलाते हैं; जैसे–

आँख = चक्षु, नयन, नेत्र

आग = अग्नि, पावक, अनल

कमल = जलज, पंकज, नीरज

(घ) विलोम शब्द (Antonyms)–जो शब्द विपरीत भाव या अर्थ प्रकट करते हैं, उन्हें 'विलोम शब्द' कहते हैं; जैसे–सुख-दुःख, काला-गोरा, ऊँचा-नीचा, अच्छा-बुरा, लंबा-छोटा आदि।

याद रखिए

शब्द का वाक्य में प्रयोग करने योग्य रूप 'पद' कहलाता है।

4. प्रयोग के आधार पर (Based on Uses) : प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–

(क) विकारी शब्द (Changeable Words)–ऐसे शब्द जिनके रूप में लिंग, वचन तथा कारक आदि के अनुसार परिवर्तन आ जाता है, 'विकारी शब्द' कहलाते हैं; जैसे–घोड़ा, गधा, लड़की, कमरा आदि।

विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं–

(i) संज्ञा (Noun)
(ii) सर्वनाम (Pronoun)
(iii) विशेषण (Adjective)
(iv) क्रिया (Verb)

(ख) अविकारी शब्द (Unchangeable Words)–ऐसे शब्द जिनके रूप में कोई परिवर्तन नहीं होता है, 'अविकारी शब्द' कहलाते हैं; जैसे–अब, नित्य, अचानक, ऊपर आदि।

अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं–

(i) क्रियाविशेषण (Adverb)
(ii) समुच्चयबोधक (Conjunction)
(iii) संबंधबोधक (Preposition)
(iv) विस्मयादिबोधक (Interjection)

हमने सीखा.....

- शब्द दो प्रकार के होते हैं–1. सार्थक शब्द, 2. निरर्थक शब्द।
- उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं–1. तत्सम शब्द, 2. तद्भव शब्द, 3. देशज शब्द, 4. विदेशज शब्द।
- रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं–1. रूढ़ शब्द, 2. यौगिक शब्द, 3. योगरूढ़ शब्द।
- अर्थ के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं–1. एकार्थी शब्द, 2. अनेकार्थी शब्द, 3. पर्यायवाची शब्द, 4. विलोम शब्द।
- प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–1. विकारी शब्द, 2. अविकारी शब्द।

अभ्यास Exercise

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) निम्न में से कौन-सा शब्द चीनी भाषा का शब्द है?

(i) अदालत ○ (ii) कैंची ○ (iii) तूफान ○

(ख) ऐसे शब्द जिनके टुकड़े नहीं किये जा सकते, __________ शब्द कहलाते हैं।

(i) रूढ़ ○ (ii) यौगिक ○ (iii) योगरूढ़ ○

(ग) संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में कुछ बदलाव के साथ प्रयोग किये जाते हैं, __________ शब्द कहलाते हैं।

(i) तत्सम ○ (ii) तद्भव ○ (iii) देशज ○

(घ) विकारी शब्द कितने प्रकार के होते हैं?

(i) दो ○ (ii) तीन ○ (iii) चार ○

(ङ) रचना के आधार पर शब्द कितने प्रकार के होते हैं?

(i) दो ○ (ii) तीन ○ (iii) चार ○

2. सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए—

(क) ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति अपने ही देश या क्षेत्र-विशेष में हुई है, देशज शब्द कहलाते हैं। ◯

(ख) निरर्थक शब्दों का प्रयोग सार्थक शब्दों के साथ होता है। ◯

(ग) अविकारी शब्द पाँच प्रकार के होते हैं। ◯

(घ) वे शब्द जो किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, रूढ़ शब्द कहलाते हैं। ◯

(ङ) जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं। ◯

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(क) दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बने शब्दों को ______________ शब्द कहते हैं।

(ख) जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं निकलता, उन्हें ______________ शब्द कहते हैं।

(ग) जो शब्द विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं, वे ______________ शब्द कहलाते हैं।

(घ) संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में भी मूल रूप से प्रयोग किये जाते हैं, वे ______________ शब्द कहलाते हैं।

(ङ) 'कालीन' शब्द ______________ भाषा का शब्द है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के प्रकार समझाइए।

____

(ख) तत्सम और तद्भव शब्दों को उदाहरण देकर समझाइए।

____

(ग) सार्थक तथा निरर्थक शब्दों में अंतर लिखिए।

____

(घ) यौगिक एवं योगरूढ़ शब्दों में अंतर बताइए।

____

5. निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशज शब्द छाँटकर उनके उचित स्थान पर लिखिए—

दाँत, वायु, मयूर, कवि, पेंसिल, कॉपी, खेत, अलमारी, लोटा, कवि,
आग, अमीर, साइकिल, स्टेशन, पिता, थैला, खिचड़ी, रोड, दूध

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशज

6. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए—

दुग्ध	______	स्वर्णकार	______
गृह	______	सूर्य	______
कूप	______	गर्दभ	______
अष्ट	______	धैर्य	______
रात्रि	______	कर्म	______

7. निम्नलिखित योगरूढ़ी शब्दों के विशेष अर्थ लिखिए—

(क) पीतांबर ______

(ख) पवनपुत्र ______

(ग) लंबोदर ______

(घ) दशानन ______

(ङ) कमलनयन ______

(च) महादेव ______

8. दिए गए शब्दों को मिलाकर यौगिक शब्द बनाइए—

पाठ + शाला =	______	हथ + कड़ी =	______
मेघ + आलय =	______	देश + भक्त =	______
रेल + गाड़ी =	______	रसोई + घर =	______
पुस्तक + आलय =	______	जल + चर =	______

9. निम्नलिखित में से विकारी और अविकारी शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए—

तेज़, मंदिर, मैं, मेज, धीरे-धीरे, पर, यहाँ, सैनिक, तथा, ओह, लंबा, ऊपर, सुंदर, लड़का, प्रकृति

विकारी	अविकारी

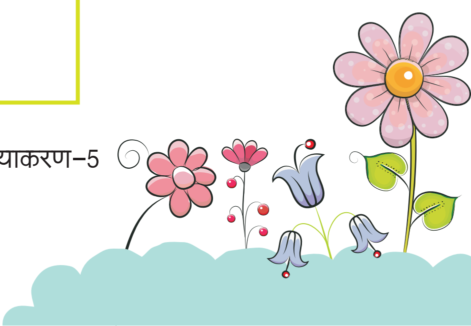

4

संज्ञा
(Noun)

'संज्ञा' शब्द का अर्थ है – नाम। संसार में जितनी भी वस्तुएँ, प्राणी, स्थान या भाव होते हैं, उन सभी का एक नाम होता है। कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें हम अनुभव तो करते हैं, जानते हैं, परंतु उनका कोई आकार न होने के कारण देख या छू नहीं सकते हैं, परंतु उनका भी नाम होता है। यह किसी का स्वभाव हो सकता है, मन का भाव या विचार हो सकता है; जैसे–क्रोध, प्रेम, सुंदरता, उदासी आदि।

परिभाषा–किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव आदि के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

संज्ञा के भेद (Kinds of Noun)

संज्ञा के पाँच भेद होते हैं–

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun) :** जो शब्द किसी एक विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध कराते हैं, उन्हें 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे–हिमालय, सूर्य, महात्मा गांधी, रामायण, मंदिर आदि।
2. **जातिवाचक संज्ञा (Common Noun) :** जो शब्द एक ही प्रकार की सभी वस्तुओं, प्राणियों या स्थानों का बोध कराते हैं, उन्हें 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे–बच्चे, विद्यार्थी, पुस्तक, घोड़ा, पक्षी आदि।
3. **भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) :** जिस शब्द से किसी व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु के गुण-दोष, दशा या अवस्था का बोध होता है, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे–जवानी, बुढ़ापा, साहसी, सुंदर, बचपन, मिठास आदि।
4. **समूहवाचक संज्ञा (Collective Noun) :** वे संज्ञा शब्द जिनसे किसी वस्तु या व्यक्तियों के समूह या समुदाय का बोध होता है, 'समूहवाचक संज्ञा' कहलाते हैं; जैसे–भीड़, सभा, कक्षा, सेना, बाज़ार, टोली आदि।
5. **द्रव्यवाचक संज्ञा (Material Noun) :** जिन संज्ञा शब्दों से किसी द्रव्य, धातु अथवा पदार्थ का बोध होता है, उन्हें 'द्रव्यवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे– सोना, चाँदी, कॉपर, तेल, पानी आदि।

भाववाचक संज्ञा बनाना (Formation of Abstract Nouns)

भाववाचक संज्ञाएँ निम्नलिखित चार प्रकार से बनाई जाती हैं–

1. सर्वनामों से (From Pronouns)
2. जातिवाचक संज्ञाओं से (From Common Nouns)
3. क्रिया-पदों से (From Verbs)
4. विशेषण शब्दों से (From Adjectives)

1. सर्वनामों से

सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा
मम	ममता/ममत्व
सम	समता
सर्व	सर्वत्व/सर्वस्व
पराया	परायापन
स्व	स्वत्व

सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा
आप	आपा
मेरा-तेरा	मेरे-तेरे
निज	निजता/निजत्व
अपना	अपनत्व
अहं	अहंकार

2. जातिवाचक संज्ञाओं से

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
शिशु	शिशुता/शैशव
शिक्षक	शिक्षा
मानव	मानवता
वीर	वीरता/वीरत्व
गुरु	गरुत्व
पंडित	पांडित्य
मज़दूर	मज़दूरी
शत्रु	शत्रुता

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
युवा	यौवन
माता	मातृत्व
बच्चा	बचपन
भाई	भ्रातृत्व
मनुष्य	मनुष्यता
चोर	चोरी
देव	देवत्व
मित्र	मित्रता

3. क्रिया-पदों से

क्रिया-पद	भाववाचक संज्ञा
चढ़ना	चढ़ाई
सीना	सिलाई
लड़ना	लड़ाई
थकना	थकावट
उड़ना	उड़ान
पीटना/पिटना	पिटाई
मिलाना	मिलावट

क्रिया-पद	भाववाचक संज्ञा
पालना	पालन
खोदना	खुदाई
मारना	मार
पकड़ना	पकड़
सोचना	सोच
पढ़ना	पढ़ाई
चलना	चाल

4. विशेषण शब्दों से

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
सरल	सरलता
करुण	करुणा
सुंदर	सुंदरता

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
मूर्ख	मूर्खता
उदार	उदारता
तेज़	तेज़ी

मोटा	मोटापा	हिंसक	हिंसा
बुरा	बुराई	ऊँचा	ऊँचाई
लौकिक	लौकिकता	कोमल	कोमलता
कायर	कायरता	नम्र	नम्रता
कुमार	कौमार्य	धीर	धीरता
भला	भलाई	नेक	नेकी
वकील	वकालत	लोभ	लोभी
मीठा	मिठास	वीर	वीरता
चतुर	चतुराई	हरा	हरियाली

हमने सीखा.....

- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव आदि के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।
- संज्ञा के पाँच भेद होते हैं– 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 2. जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा, 4. समूहवाचक संज्ञा, 5. द्रव्यवाचक संज्ञा।

अभ्यास EXERCISE

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) जिन संज्ञा शब्दों से किसी द्रव्य, धातु अथवा पदार्थ का बोध होता है, उन्हें क्या कहते हैं?

(i) व्यक्तिवाचक संज्ञा ○ (ii) भाववाचक संज्ञा ○ (iii) द्रव्यवाचक संज्ञा ○

(ख) 'मीठा' शब्द का भाववाचक संज्ञा शब्द क्या है?

(i) मिठास ○ (ii) मिठाई ○ (iii) इनमें से कोई नहीं ○

(ग) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द संज्ञा शब्द नहीं है?

(i) वह ○ (ii) राहुल ○ (iii) आगरा ○

(घ) 'उड़ना' शब्द का भाववाचक संज्ञा शब्द क्या है?

(i) उड़ाई ○ (ii) उड़ी ○ (iii) उड़ान ○

(ङ) 'मम' शब्द का भाववाचक संज्ञा शब्द क्या है?

(i) मर्मस्व ○ (ii) ममता ○ (iii) इनमें से कोई नहीं ○

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) संज्ञा को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

____

(ख) व्यक्तिवाचक और जातिवाचक संज्ञा में क्या अंतर है? उदाहरण सहित समझाइए।

___

(ग) द्रव्यवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

___

(घ) भाववाचक संज्ञाएँ क्या हैं तथा इन्हें कितने प्रकार से बनाया जा सकता है? उदाहरण सहित समझाइए।

___

3. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के भेद लिखिए—

बुढ़ापा	___	लड़की	___
कुतुबमीनार	___	सेना	___
भय	___	पुस्तक	___
स्वादिष्ट	___	मेला	___
थकावट	___	बंदर	___
नदी	___	सुंदरता	___
लालकिला	___	चाँदी	___

4. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए—

बच्चा	___	देव	___
पालना	___	सोचना	___
लड़ना	___	पशु	___
आप	___	निज	___
शत्रु	___	कायर	___
मम	___	उदार	___
करुण	___	खोदना	___

5. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए—

(क) मिठास का बोध मीठेपन से होता है।

(ख) इच्छाओं का कोई अंत नहीं है।

(ग) स्वाधीनता का मूल्य बलिदान है।

(घ) किसी जीव को सताना पाप है।

(ङ) छात्रों को प्रत्येक दिन पाठ याद करना चाहिए।

(च) महात्मा गांधी की उदारता विश्व में प्रसिद्ध है।

6. निम्नलिखित शब्दों को उनके भेदों के अनुसार अलग-अलग छाँटकर लिखिए—

पर्वत, जुलूस, लक्ष्मीबाई, प्रेम, दया, सभा, महात्मा गांधी, चावल, नदी, वृक्ष, चना, सोना, जनता, रामायण, बुराई, पीतल, भीड़, आगरा, आनंद, पुस्तक

व्यक्तिवाचक

____
____
____
____

जातिवाचक

____
____
____
____

भाववाचक

____
____
____
____

समूहवाचक

____
____
____
____

द्रव्यवाचक

____
____
____
____

7. नीचे दी गई भाववाचक संज्ञाएँ किन मूल शब्दों से बनी हैं, लिखिए और उनके शब्द-भेद भी बताइए—

भाववाचक संज्ञाएँ	मूल शब्द	शब्द-भेद
पशुता	पशु	जातिवाचक संज्ञा
गिरावट	______________	______________
परायापन	______________	______________
बहाव	______________	______________
अहंकार	______________	______________
यौवन	______________	______________
वीरता	______________	______________
पढ़ाई	______________	______________

5 संज्ञा के विकार

(Declension of Noun)

संज्ञा में विकार या परिवर्तन लाने वाले शब्द विकारी शब्द कहलाते हैं। लिंग, वचन व कारक संज्ञा के विकारी तत्व हैं।

लिंग (Gender)

परिभाषा–जिस शब्द से स्त्री या पुरुष जाति का बोध होता है, उसे 'लिंग' कहते हैं।

लिंग बदलने पर क्रिया में भी परिवर्तन आ जाता है; जैसे–

लड़का खेल रहा है।
(क्रिया)

लड़की खेल रही है।
(क्रिया)

उपर्युक्त दोनों वाक्यों में आपने देखा कि क्रिया का रूप बदल गया है। बच्चो! लिंग शब्द से तात्पर्य 'चिह्न' अथवा 'पहचान' करने के साधन से है।

लिंग के भेद (Kinds of Gender)

हिंदी भाषा में लिंग के दो भेद हैं–

1. पुल्लिंग (Masculine Gender) : संज्ञा शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे 'पुल्लिंग' कहते हैं; जैसे–

(i) घोड़ा दौड़ता है। (ii) माली फूल तोड़ रहा है।

इन वाक्यों में 'घोड़ा' और 'माली' पुरुष जाति का बोध करा रहे हैं।

अन्य उदाहरण : लड़का, पिता, दादा, छात्र, कुत्ता, राजा, बच्चा, चूहा आदि।

2. स्त्रीलिंग (Feminine Gender) : संज्ञा शब्द के जिस रूप से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे 'स्त्रीलिंग' कहते हैं; जैसे–

(i) अध्यापिका पढ़ा रही है। (ii) बालिका पढ़ रही है।

इन वाक्यों में 'अध्यापिका' और 'बालिका' स्त्री जाति का बोध करा रहे हैं।

अन्य उदाहरण : लड़की, माँ, दादी, छात्रा, कुतिया, रानी, बच्ची, चुहिया आदि।

याद रखिए
जिन शब्दों के अंत में 'आ', 'पन', 'आव', 'पा', 'क', 'ना', 'त्व' आते हैं, वे पुल्लिंग होते हैं।

लिंग की पहचान के कुछ नियम :

- डॉक्टर, प्रधानमंत्री, मंत्री, मैनेजर, राजदूत आदि शब्दों में लिंग-परिवर्तन नहीं होता, चाहे ये लोग पुरुष हों या स्त्री। इन शब्दों के लिंग का परिचय क्रिया के द्‌वारा ही पता चलता है; जैसे–
  - डॉक्टर आये। (पुल्लिग)
  - डॉक्टर आईं। (स्त्रीलिंग)
  - सभापति आये। (पुल्लिग)
  - सभापति आईं। (स्त्रीलिंग)
- अप्राणीवाचक संज्ञाओं; जैसे–आकाश, कुर्सी, चाँदी, छाता, नदी, पर्वत, सोना आदि के लिंग की पहचान के लिए व्याकरण के नियमों को ही आधार बनाना चाहिए।
- तिथियों, नदियों, भाषा-वाले शब्द, 'ई' से अंत वाले शब्द, 'इया' से अंत वाले शब्द और शरीर के कुछ अंगों के नाम सदैव स्त्रीलिंग में होते हैं; जैसे– एकादशी, गंगा, हिंदी, अंग्रेज़ी, कहानी, गुड़िया, आँख, उँगली आदि।
- कुछ शब्द सदैव पुल्लिंग होते हैं; जैसे–कछुआ, कौआ, खटमल, गेंडा, गरुड़, चीता, तोता, बाज, बिच्छू, मच्छर, पशु, पक्षी आदि।

लिंग–परिवर्तन (Changes in Gender)

1. 'अ' से समाप्त होने वाले शब्दों में 'आ' लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
आदरणीय	आदरणीया	पूज्य	पूज्या
माननीय	माननीया	वृद्‌ध	वृद्‌धा
प्रिय	प्रिया	सुत	सुता
महोदय	महोदया	शिष्य	शिष्या

2. अंतिम 'अ' और 'आ' को 'ई' करके

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
देव	देवी	पुत्र	पुत्री
चाचा	चाची	मुर्गा	मुर्गी
लड़का	लड़की	दादा	दादी
दास	दासी	गधा	गधी
बेटा	बेटी	घोड़ा	घोड़ी

3. 'अ' और 'आ' को 'इया' करके

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
खाट	खटिया	बंदर	बंदरिया
डिब्बा	डिबिया	कुत्ता	कुतिया
बूढ़ा	बुढ़िया	चूहा	चुहिया

4. अंत में 'नी' जोड़कर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सिंह	सिंहनी
भील	भीलनी
शेर	शेरनी

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
चोर	चोरनी
ऊँट	ऊँटनी
मोर	मोरनी

5. अंत में 'आनी' जोड़कर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नौकर	नौकरानी
जेठ	जेठानी

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
सेठ	सेठानी
देवर	देवरानी

6. अंत में 'इन' जोड़कर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
माली	मालिन
कुम्हार	कुम्हारिन
तेली	तेलिन

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
ग्वाला	ग्वालिन
गुजराती	गुजरातिन
पंजाबी	पंजाबिन

7. अंत में 'आइन' जोड़कर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पंडित	पंडिताइन
लाला	ललाइन

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बाबू	बबुआइन
चौधरी	चौधराइन

8. 'अक' को 'इका' करके

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बालक	बालिका
सेवक	सेविका
नायक	नायिका
गायक	गायिका
लेखक	लेखिका

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
अध्यापक	अध्यापिका
संपादक	संपादिका
धावक	धाविका
शिक्षक	शिक्षिका
पाठक	पाठिका

9. अंतिम 'आन' को 'अती' करके

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पुत्रवान	पुत्रवती
श्रीमान	श्रीमती
गुणवान	गुणवती

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
धनवान	धनवती
रूपवान	रूपवती
बुद्धिमान	बुद्धिमती

10. कुछ शब्दों का लिंग बदलने पर उनका पूरा रूप ही बदल जाता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
राजा	रानी	विद्वान	विदुषी
पुरुष	स्त्री	ससुर	सास
भाई	बहन	पिता	माता
वर	वधू	सम्राट	सम्राज्ञी
बैल	गाय	युवक	युवती
अभिनेता	अभिनेत्री	नर	नारी/मादा
ताऊ	ताई	फूफा	बुआ
बादशाह	बेगम	कवि	कवयित्री

11. कुछ शब्दों के लिंग बदलने के लिए 'नर' व 'मादा' शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नर मच्छर	मादा मच्छर	नर कोयल	मादा कोयल
नर चीता	मादा चीता	नर मक्खी	मादा मक्खी

हमने सीखा.....

- स्त्री अथवा पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्दों को 'लिंग' कहते हैं।
- लिंग के दो भेद हैं– पुल्लिग और स्त्रीलिंग।
- तिथियों, नदियों व भाषाओं वाले शब्द सदैव स्त्रीलिंग होते हैं।

अभ्यास
EXERCISE

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) लिंग किसे कहते हैं?

(ख) लिंग कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

2. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के लिंग बदलकर वाक्यों को दोबारा लिखिए—

(क) मेरी माँ विदुषी हैं।

(ख) मेरे पास तीन शिष्य पढ़ने आते हैं।

(ग) बालक का भोला चेहरा देखकर पुजारी रुक गया।

____

(घ) दरवाज़े पर भिखारी खड़ा है।

____

(ङ) अभिनेता ने अच्छा अभिनय किया।

____

(च) राजा शत्रुओं पर टूट पड़ा।

____

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए—

पूज्य ________	माननीया ________	कहार ________
पुत्रवान ________	भीलनी ________	कवि ________
सम्राट ________	धावक ________	सेठानी ________
खाट ________	मोर ________	बालिका ________

4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए—

भवदीय ________	तबला ________	बारिश ________
आचार्या ________	चीनी ________	सेवक ________
विधुर ________	सुता ________	क्षत्रिय ________
पाठ ________	चारपाई ________	तितली ________

वचन (Number)

वचन का अर्थ है–'संख्या'।

परिभाषा–शब्द के जिस रूप से किसी वस्तु के एक या एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे 'वचन' कहते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

(i) घोड़ा दौड़ रहा है।
घोड़े दौड़ रहे हैं।

एक घोड़ा

अनेक घोड़े

एक बच्चा

अनेक बच्चे

(ii) बच्चा खेल रहा है।
बच्चे खेल रहे हैं।

वचन के भेद (Kinds of Number)

वचन के दो भेद होते हैं–

1. एकवचन (Singular Number) **:** संज्ञा शब्द के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु के संख्या में एक होने का पता चलता है, उसे 'एकवचन' कहते हैं; जैसे–पंखा, चूहा, नदी, स्त्री, कुर्सी आदि।

2. बहुवचन (Plural Number) **:** संज्ञा शब्द के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु के संख्या में एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे 'बहुवचन' कहते हैं; जैसे–पंखे, चूहे, नदियाँ, स्त्रियाँ, कुर्सियाँ आदि।

ध्यान दीजिए :

- सर्वनाम शब्दों का भी वचन परिवर्तन हो सकता है।
- द्रव्यवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा का प्रयोग एकवचन में होता है; जैसे–
  (i) घी स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।
  (ii) ईमानदारी सबसे अच्छी नीति है।
  (iii) हीरा बहुत महँगा होता है।
- आदर देने के लिए बहुवचन का प्रयोग किया जाता है; जैसे–
  (i) मंत्री जी आए हैं।
  (ii) अध्यापक जी बैठे हैं।
- कुछ शब्द सदैव बहुवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं; जैसे–लोग, दर्शन, प्राण, आँसू, हस्ताक्षर, होश आदि।
- कुछ शब्द सदैव एकवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं; जैसे–पानी, सेना, जनता, आकाश, आग, वर्दी, सोना आदि।
- कुछ शब्दों का रूप नहीं बदलता; जैसे–फूल, सेब, पेड़, राजा, साधु, बंदर आदि। परंतु इनके साथ 'ने', 'पर', 'में' आदि लगने पर इनका रूप बदल जाता है; जैसे–

  बंदर उछल-कूद कर रहा है।
बंदर उछल-कूद कर रहे हैं। → इन वाक्यों में 'बंदर' शब्द समान है।

  बंदरों ने उछल-कूद की। → इस वाक्य में 'ने' लगने पर 'बंदर' शब्द का रूप बदल गया है।

वचन-परिवर्तन (Changes in Number)

1. 'आ' को 'ए' करके

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लड़का	लड़के	कपड़ा	कपड़े
तबला	तबले	गाना	गाने
घोड़ा	घोड़े	कुत्ता	कुत्ते
तोता	तोते	पंखा	पंखे

2. 'अ' को 'एँ' करके

एकवचन	बहुवचन
कलम	कलमें
छत	छतें
दुकान	दुकानें
पुस्तक	पुस्तकें

एकवचन	बहुवचन
रात	रातें
खबर	खबरें
बहन	बहनें
बात	बातें

3. 'आ' में 'एँ' लगाकर

एकवचन	बहुवचन
दुआ	दुआएँ
सेना	सेनाएँ
लता	लताएँ
माता	माताएँ

एकवचन	बहुवचन
योजना	योजनाएँ
सभा	सभाएँ
कथा	कथाएँ
महिला	महिलाएँ

4. 'इ', 'ई' 'इया' के स्थान पर 'इयाँ' करके

एकवचन	बहुवचन
नदी	नदियाँ
तिथि	तिथियाँ
नारी	नारियाँ
चुहिया	चुहियाँ
जाति	जातियाँ
बुढ़िया	बुढ़ियाँ

एकवचन	बहुवचन
डिबिया	डिबियाँ
गुड़िया	गुड़ियाँ
टोपी	टोपियाँ
कुटिया	कुटियाँ
घाटी	घाटियाँ
रानी	रानियाँ

5. अंत में 'ओं' जोड़कर

एकवचन	बहुवचन
चोर	चोरों
कबूतर	कबूतरों
मित्र	मित्रों

एकवचन	बहुवचन
बादल	बादलों
जानवर	जानवरों
बहार	बहारों

6. उकारांत, ऊकारांत और औकारांत स्त्रीलिंग के अंतिम वर्ण में 'एँ' जोड़ देते हैं।

एकवचन	बहुवचन
धेनु	धेनुएँ
गौ	गौएँ

एकवचन	बहुवचन
वस्तु	वस्तुएँ
बहू	बहुएँ

7. ऐसे पुल्लिग एवं स्त्रीलिंग शब्द हैं जिनके बहुवचन गण, जन, वर्ग, मंडल, लोग आदि शब्द जोड़कर बनाए जाते हैं।

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
मुनि	मुनिवर्ग	भू	भूमंडल
तारा	तारामंडल	युवा	युवावर्ग
मित्र	मित्रगण	नेता	नेतागण
आप	आपलोग	बालक	बालकगण
छात्र	छात्रगण	ऋषि	ऋषिलोग

हमने सीखा.....

- शब्द के जिस रूप से किसी के एक या अधिक होने का पता चलता है, उसे 'वचन' कहते हैं।
- वचन दो प्रकार के होते हैं—एकवचन और बहुवचन।
- आदर देने के लिए बहुवचन का प्रयोग किया जाता है।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वचन किसे कहते हैं?

____

(ख) वचन के भेदों को उदाहरण सहित समझाइए।

____

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप भरकर वाक्य पूरे कीजिए—

(क) सभी बच्चों के पास __________ हैं। *(पुस्तक)*

(ख) सागर की __________ के प्राण एक सूत्र में बँधे रहते हैं। *(लहर)*

(ग) सुबह होते ही __________ चहकने लगती हैं। *(चिड़िया)*

(घ) __________ नाच रही हैं। *(लड़की)*

(ङ) रिया ने दो __________ खाए। *(केला)*

(च) __________ गीत गा रही हैं। *(औरत)*

3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए—

कबूतर	__________	बिटिया	__________	बहुएँ	__________
मक्खी	__________	रानी	__________	भूमंडल	__________
दवाई	__________	लड़के	__________	नदियाँ	__________
कविता	__________	गौ	__________	मित्र	__________

4. निम्नलिखित वाक्यों में वचन का शुद्ध रूप लिखिए—

(क) कौआ काँव-काँव कर रहे हैं। ______

(ख) कलियों पर भौंरा मंडरा रहे हैं। ______

(ग) मुसीबतें के समय धीरज नहीं खोना चाहिए। ______

(घ) बीनू की बहनें आज जाएगी। ______

(ङ) आजकल सभी वस्तु के भाव बढ़ गए है। ______

(च) मैंने कई रात जागकर काटी हैं। ______

5. नीचे दिए गए शब्दों से उनके एकवचन तथा बहुवचन रूपों को स्पष्ट करने वाले वाक्य बनाइए—

(क) साधु *(एकवचन)* ______

साधु *(बहुवचन)* ______

(ख) नदी *(एकवचन)* ______

नदी *(बहुवचन)* ______

(ग) छात्र *(एकवचन)* ______

छात्र *(बहुवचन)* ______

(घ) पक्षी *(एकवचन)* ______

पक्षी *(बहुवचन)* ______

(ङ) कवि *(एकवचन)* ______

कवि *(बहुवचन)* ______

(च) कुर्सी *(एकवचन)* ______

कुर्सी *(बहुवचन)* ______

कारक (Case)

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

(क)	(ख)
(i) घोड़े गिरकर बालक टाँग टूट गई।	(i) घोड़े से गिरकर बालक की टाँग टूट गई।
(ii) छत बंदर हैं।	(ii) छत पर बंदर हैं।

'क' वर्ग के वाक्य केवल शब्द-समूह हैं। इनका अर्थ स्पष्ट नहीं है क्योंकि इन शब्दों का आपस में क्या संबंध है, यह पता नहीं चलता। 'ख' वर्ग के वाक्यों का अर्थ स्पष्ट है। रंगीन शब्दों के प्रयोग से वाक्य में आए अन्य शब्दों का संबंध पता चलता है। इन शब्दों को परसर्ग या विभक्ति चिह्न कहते हैं। ये कारकों के चिह्न हैं।

परिभाषा–जो शब्द वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों का संबंध आपस में जोड़ते हैं, उन्हें 'कारक' कहते हैं।

कारक के भेद (Kinds of Case)

कारक आठ प्रकार के होते हैं। इनके नाम तथा विभक्ति चिह्न नीचे दिए गए हैं–

कारक	विभक्ति चिह्न
1. कर्ता	ने
2. कर्म	को
3. करण	से, के द्‌वारा
4. संप्रदान	को, के लिए
5. अपादान	से (अलग होने के अर्थ में)
6. संबंध	का, के, की, रा, रे, री
7. अधिकरण	में, पर
8. संबोधन	हे!, अरे!

1. कर्ता कारक (Nominative Case) : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया करने वाले का बोध होता है, उसे 'कर्ता कारक' कहते हैं। इसका चिह्न 'ने' है; जैसे–संजू ने गाना गाया।

इस वाक्य में 'गाया' क्रिया है तथा 'संजू' कर्ता हैं।

कभी-कभी कर्ता कारक के साथ परसर्ग का प्रयोग नहीं होता; जैसे–संजू गाना गाती है।

2. कर्म कारक (Objective Case) : जिस संज्ञा या सर्वनाम पर क्रिया का प्रभाव पड़े, उसे 'कर्म कारक' कहते हैं। इसका चिह्न 'को' है; जैसे–विपुल ने हाथी को केले खिलाए।

इस वाक्य में 'हाथी' कर्म कारक है।

कभी-कभी 'को' चिह्न का प्रयोग नहीं भी होता; जैसे–माँ खाना बनाती है।

3. करण कारक (Instrumental Case) : कर्ता जो भी कार्य करता है, वह किसी वस्तु की सहायता से, उसका प्रयोग करके करता है अर्थात् कर्ता जिस साधन से कार्य करता है, उसे 'करण कारक' कहते हैं; जैसे–बच्चा पेंसिल से लिख रहा है।

यहाँ लिखने का कार्य पेंसिल से हो रहा है। अतः 'पेंसिल' करण कारक है।

4. संप्रदान कारक (Dative Case) : संप्रदान का अर्थ है-'देना'। जहाँ किसी को कुछ दिया जाए या किसी के लिए कुछ किया जाए, वहाँ 'संप्रदान कारक' होता है। इसका विभक्ति चिह्न 'को' है; जैसे–भिखारी को भोजन दो।

कर्ता जिसके लिए कार्य करता है, उसमें संप्रदान कारक का चिह्न 'के लिए' लगता है; जैसे–उसने देश के लिए जान दी।

यहाँ वाक्य में कर्ता देश के लिए कार्य कर रहा है। अतः 'देश' संप्रदान कारक है।

5. अपादान कारक (Ablative Case) : संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरे से अलग होना, तुलना होना या भय होना पाया जाता है, वह 'अपादान कारक' कहलाता है। इसका विभिक्त चिह्न 'से' है; जैसे–

(i) नल से पानी टपकता है।

(ii) राहुल विपुल से मोटा है।

पहले वाक्य में कर्ता (पानी) का नल से अलग होने का भाव प्रकट हो रहा है।

दूसरे वाक्य में तुलना होने के कारण अपादान कारक है।

6. संबंध कारक (Possessive Case) : संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी एक वस्तु या व्यक्ति का संबंध दूसरी वस्तु या व्यक्ति के साथ जाना जाता है, उसे 'संबंध कारक' कहते हैं; जैसे–

(i) यह रितु की बहन है।

(ii) तरुण के पापा आए हैं।

इन वाक्यों में 'रितु' का बहन से और 'तरुण' का पापा से संबंध प्रकट हो रहा है। अतः ये संबंध कारक हैं।

7. अधिकरण कारक (Locative Case) : वाक्य में शब्द के जिस रूप से क्रिया का आधार ज्ञात होता है अर्थात् जिस स्थान पर कोई कार्य होता है, उसे 'अधिकरण कारक' कहते हैं; जैसे–कौआ डाल पर बैठा है।

इस वाक्य में बैठने की क्रिया डाल पर हो रही है, इसलिए यहाँ 'डाल' अधिकरण कारक है।

8. संबोधन कारक (Vocative Case) : संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारने या सावधान करने का बोध होता है, उसे 'संबोधन कारक' कहते हैं; जैसे–अरे भाई! मेरी बात तो सुनो।

इस वाक्य में भाई को पुकारा गया है। यह संबोधन कारक है। इसमें 'हे', 'अरे' आदि का प्रयोग किया जाता है।

हमने सीखा.....

- जो शब्द वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों का संबंध आपस में जोड़ते हैं, उन्हें 'कारक' कहते हैं।
- कारक आठ प्रकार के होते हैं–कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण तथा संबोधन।

अभ्यास Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) कारक किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

(ख) कारक के भेद तथा उनके विभक्ति चिह्न लिखिए।

____

2. उचित विभक्ति चिह्न लगाकर वाक्य पूरे कीजिए—

(क) लोगों ____________ नेता की बातों का असर नहीं हुआ।

(i) पर ○ (ii) को ○ (iii) में ○

(ख) भारी वस्तुएँ रेलगाड़ी ____________ भेजी जाती हैं।

(i) में ○ (ii) द्वारा ○ (iii) पर ○

(ग) गेंद मेरे हाथ ____________ फिसल गई।

(i) में ○ (ii) पर ○ (iii) से ○

(घ) आकाश ____________ तारे चमक रहे हैं।

(i) से ○ (ii) में ○ (iii) पर ○

(ङ) दिलवाड़ा ______ कई जैन मंदिर हैं।

(i) पर ○ (ii) में ○ (iii) के ○

(च) सुदामा ने श्री कृष्ण ______ विदा ली।

(i) पर ○ (ii) की ○ (iii) से ○

3. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारकों के नाम लिखिए—

(क) पेंसिल से चित्र बनाओ। ______

(ख) पेड़ पर आम लगे हैं। ______

(ग) मेज पर पुस्तक रखी है। ______

(घ) बगीचे की दीवार बहुत ऊँची है। ______

(ङ) मैंने पिताजी के लिए अखबार खरीदा। ______

(च) भूखों को भोजन दो। ______

(छ) हाय! मैं तो लुट गया। ______

(ज) वह विद्यालय जाता है। ______

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों द्वारा कीजिए—

(क) स्पर्श मेले ______ गुम हो गया।

(ख) राजन बाज़ार ______ समोसे और मिठाई लाया।

(ग) गंभीर अवसरों ______ ताली नहीं बजाई जाती।

(घ) इंटरनेट ______ हम दुनिया भर ______ विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

(ङ) जतिन ______ अंतर्राज्यीय खेल प्रतियोगिता ______ चुन लिया गया है।

(च) सोनू ______ पाठ याद कर लिया।

(छ) दर्शकों ______ ये मंदिर बारह बजे तक खुलते हैं।

(ज) शिकारी ने हिरन ______ बंदूक ______ मार गिराया।

5. निम्नलिखित कारक-चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए—

(क) पर – ______

(ख) को – ______

(ग) के लिए – ______

(घ) अरे! – ______

(ङ) ने – ______

(च) से (अलग होना) – ______

6. निम्नलिखित वाक्यों में से कारक के प्रयोग संबंधी अशुद्धियों को दूर करके वाक्यों को पुन: लिखिए—

(क) रिचा ने नाटक पर भाग लिया।

______

(ख) आम पेड़ से लगे हैं।

______

(ग) छुट्टियों पर हम शिमला जाएँगे।

____

(घ) नीरज से पत्र लिखा।

____

(ङ) पेड़ पर पत्ते गिरते हैं।

____

(च) वह पूजा को फूल लाई।

____

(छ) तोते फलों से कुतर रहे हैं।

____

(ज) बनारस पर बहुत-से मंदिर हैं।

____

(झ) बरगद के पेड़ में चिड़ियाँ चहचहा रही हैं।

____

(ञ) कौआ डाल में बैठा है।

____

7. उचित कारक चिह्नों से कहानी पूरी कीजिए तथा इसे पुन: दिए गए स्थान पर लिखिए—

नदी ________ किनारे जामुन ________ एक पेड़ था। पेड़ ________ एक बंदर रहता था। नदी ________ एक मगरमच्छ था। दोनों ________ बड़ी दोस्ती थी। बंदर मगरमच्छ ________ मीठे-मीठे जामुन देता था। एक दिन मगरमच्छ ________ पत्नी बोली, "तुम्हारे दोस्त ________ कलेजा तो बड़ा मीठा होगा। मुझे उसका कलेजा लाकर दो।" मगरमच्छ बहाना बनाकर बंदर ________ अपनी पीठ ________ बिठाकर ले चला। बीच नदी ________ पहुँचकर उसने बंदर ________ पूरी बात बताई। बंदर बोला, "मेरा कलेजा तो पेड़ ________ लटका है।" मगरमच्छ उसे वापिस नदी ________ किनारे ले आया। बंदर कूदकर पेड़ ________ चढ़ गया और उसकी जान बच गई।

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

6

सर्वनाम
(Pronoun)

निम्नलिखित वाक्य को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

नवीन एक अच्छा लड़का है। नवीन रोज स्कूल जाता है। नवीन को खेलना-कूदना भी बहुत पसंद है।

यह वाक्य सुनने व पढ़ने में थोड़ा अटपटा तो लगता ही है, साथ ही ऐसा भी प्रतीत होता है कि नवीन नाम के दो लड़के हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है।

यदि इस वाक्य को इस प्रकार लिखा जाए–

नवीन एक अच्छा लड़का है। वह रोज स्कूल जाता है। उसे खेलना-कूदना भी बहुत पसंद है।

यहाँ नवीन के नाम का बार-बार प्रयोग न करके उसके स्थान पर 'वह' और 'उसे' शब्द का प्रयोग होने से वाक्य में स्पष्टता भी आ गई और अटपटापन भी नहीं रहा।

'सर्वनाम' ऐसे ही शब्दों को कहते हैं, जिनका प्रयोग संज्ञा के स्थान पर होता है।

परिभाषा–संज्ञा की पुनरावृत्ति (बार-बार प्रयोग) को रोकने के लिए इसके स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं।

सर्वनाम के भेद (Kinds of Pronoun)

सर्वनाम के मुख्य छः भेद हैं–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun) : जो सर्वनाम किसी पुरुष (या व्यक्ति) के स्थान पर प्रयुक्त होता है, उसे 'पुरुषवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–मैं, तुम, वह, वे आदि। यह पुरुष कहनेवाला, सुननेवाला तथा अन्य (चर्चित व्यक्ति) भी हो सकता है। इसी आधार पर पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद होते हैं–

(क) उत्तम पुरुष (First Person)–जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता अपने लिए करता है, उन्हें 'उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–हमारा, मैं, हम, मेरा, हमारी, मेरी आदि।

(ख) मध्यम पुरुष (Second Person)–जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग श्रोता के लिए किया जाता है, उन्हें 'मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–तुम, तू, आप, तेरी, तेरा, तुम्हारे, तुम्हारी, तुम्हारा, आपका आदि।

(ग) अन्य पुरुष (Third Person)–जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किसी तीसरे व्यक्ति के लिए किया जाता है, उन्हें 'अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–वह, वे, उसका, उसको, उसे, उनका, उनकी आदि।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम (Definite Pronoun) : जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर संकेत करते हैं, उन्हें 'निश्चयवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–

(i) यह किसकी पुस्तक है?
(ii) वह तुम्हारा कुत्ता है।
(iii) वे आ रहे हैं।
(iv) ये चित्र सुंदर हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन छपे शब्द–'यह', 'वह', 'वे', 'ये' निश्चयवाचक सर्वनाम हैं। ये सब शब्द किसी-न-किसी वस्तु या व्यक्ति की ओर संकेत करके उसके निश्चय का ज्ञान कराते हैं।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun) : जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध नहीं होता, उन्हें 'अनिश्चयवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–

(i) बाहर कोई बैठा है।
(ii) भूखे भिखारी को कुछ खाने को दीजिए।
(iii) किसने शौर्य को पीटा?

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन छपे शब्द–'कोई', 'कुछ', 'किसने' अनिश्चयवाचक सर्वनाम हैं क्योंकि इनसे किसी विशेष वस्तु या व्यक्ति का निश्चित ज्ञान नहीं होता।

याद रखिए

प्रायः सजीव प्राणियों के लिए 'कोई' का और निर्जीव वस्तुओं के लिए 'कुछ' का प्रयोग होता है।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun) : वे सर्वनाम शब्द जिनसे किसी प्रश्न का बोध होता है, उन्हें 'प्रश्नवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–

(i) माँ, तुम किसे देख रही हो?
(ii) मुझे कहाँ बैठना है?
(iii) क्या मैं अंदर आ सकती हूँ?

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन छपे शब्द–'किसे', 'कहाँ', 'क्या' प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं। अन्य प्रश्नवाचक सर्वनाम इस प्रकार हैं–क्यों, किसको, कौन, कहाँ, किसने, आदि।

5. संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun) : वे सर्वनाम शब्द जो किसी वस्तु, व्यक्ति या घटना का दूसरे से संबंध प्रकट करते हैं, उन्हें 'संबंधवाचक सर्वनाम' कहते हैं; जैसे–

(i) जो आम पका है, उसे खाओ।
(ii) जो यहाँ आया था, वह चला गया।
(iii) जैसा करोगे, वैसा भरोगे।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन छपे शब्द दो सर्वनामों का संबंध जोड़ रहे हैं। अतः ये सभी संबंधवाचक सर्वनाम हैं।

6. निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun) : जो सर्वनाम शब्द निज अर्थात् स्वयं के लिए प्रयोग किए जाते हैं, वे 'निजवाचक सर्वनाम' कहलाते हैं; जैसे–

(i) वह खुद ही आ जाएगा।
(ii) मैं अपने आप खाना खाऊँगा।
(iii) मैं स्वयं यह काम कर सकता हूँ।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन छपे शब्द–'खुद', 'अपने आप', 'स्वयं' निजवाचक सर्वनाम हैं।

हमने सीखा.....

- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं।
- सर्वनाम मुख्यतया छः प्रकार के होते हैं–1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 2. निश्चयवाचक सर्वनाम, 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम, 5. संबंधवाचक सर्वनाम, 6. निजवाचक सर्वनाम।

अभ्यास
Exercise

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) सर्वनाम शब्द किसके स्थान पर प्रयुक्त होते हैं?

(i) संज्ञा के स्थान पर ◯ (ii) वचन के स्थान पर ◯ (iii) कारक के स्थान पर ◯

(ख) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द निश्चयवाचक सर्वनाम शब्द है?

(i) क्या ◯ (ii) वे ◯ (iii) खुद ◯

(ग) 'कोई', 'कुछ', 'किसने' ______ सर्वनाम शब्द हैं।

(i) अनिश्चयवाचक ◯ (ii) निजवाचक ◯ (iii) संबंधवाचक ◯

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम कितने प्रकार के होते हैं?

(i) दो ◯ (ii) तीन ◯ (iii) चार ◯

(ङ) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द निजवाचक सर्वनाम शब्द है?

(i) वह ◯ (ii) कोई ◯ (iii) स्वयं ◯

2. सही कथन के सामने (✓) का तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए—

(क) 'वह', 'वे', 'उसका', 'उनका' अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम शब्द हैं। ◯

(ख) निजवाचक सर्वनाम शब्द स्वयं के लिए प्रयोग किए जाते हैं। ◯

(ग) जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग श्रोता के लिए किया जाता है, उन्हें उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। ◯

(घ) संबंधवाचक सर्वनाम किसी व्यक्ति, वस्तु या घटना का दूसरे से संबंध प्रकट करते हैं। ◯

(ङ) 'यह', 'ये', 'वह', 'वे' अनिश्चयवाचक सर्वनाम शब्द हैं। ◯

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) सर्वनाम किन्हें कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

______

(ख) सर्वनाम के कितने भेद हैं? नाम लिखिए।

______

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम क्या हैं? साथ ही इनके भेद भी बताइए।

______

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम तथा अनिश्चयवाचक सर्वनाम में क्या अंतर है?

______

(ङ) निजवाचक सर्वनाम को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

______

4. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर उनके भेद भी लिखिए—

	सर्वनाम	भेद
(क) मनोज जरा देखो, कौन आया है।	______	______
(ख) आप अब तक कहाँ थे?	______	______

(ग) यह पुस्तक बैग में रख दो। ______ ______

(घ) यह पुस्तक किसने फाड़ी? ______ ______

(ङ) मैंने उसकी सहायता की। ______ ______

(च) हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए। ______ ______

(छ) तनु किसकी बहन है? ______ ______

(ज) मैंने यह सूट खुद सिला है। ______ ______

5. उचित सर्वनाम चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए—

(क) तुमने बाज़ार से ______ खरीदा? *(क्यों, कौन, क्या)*

(ख) हम ______ गाँव जा रहे हैं। *(अपने, हमारे, कुछ)*

(ग) ______ इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। *(उसे, तुम, आप)*

(घ) ______ पुस्तक किसकी है? *(ये, यह, वे)*

(ङ) ______ गुड़िया नहीं चाहिए। *(वह, मुझे, कुछ)*

(च) यह घड़ी ______ लाया है? *(क्या, कौन, किसने)*

(छ) ______ आज मेरे साथ घूमने चलो। *(तू, तुम, उसे)*

(ज) सार्थक का ______ सामान खो गया है। *(कुछ, वह, कोई)*

6. सर्वनाम के सभी भेदों का एक-एक उदाहरण लिखिए—

	सर्वनाम	उदाहरण
(क)	______	______
(ख)	______	______
(ग)	______	______
(घ)	______	______
(ङ)	______	______
(च)	______	______

7. नीचे दिए गए अनुच्छेद में रंगीन छपे शब्दों को उचित सर्वनाम शब्दों से बदलकर अनुच्छेद दोबारा लिखिए—

आज वैभव का जन्मदिन है। वैभव अपने जन्मदिन पर एक शानदार दावत दे रहा है। वैभव की माँ ने घर में केक और अनेक स्वादिष्ट पकवान बनाए हैं। आज वैभव के बहुत सारे मित्र आने वाले हैं। पहले वैभव केक काटेगा, सबको केक खिलाएगा। फिर वैभव के पिताजी कुछ खेल खिलाएँगे और फिर वैभव और वैभव के मित्र खूब नाचेंगे। आज वैभव को सुबह से ही बधाई, आशीर्वाद और उपहार मिल रहे हैं। वैभव बहुत प्रसन्न है।

______

______

______

______

______

______

8. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम संबंधी अशुद्धियों को शुद्ध करके वाक्यों को पुनः लिखिए—

(क) वह सब कहाँ जा रहे हैं? ____________________

(ख) मेरे से गाना नहीं गाया जाता। ____________________

(ग) हम हमारे लिए मिठाई लाए हैं। ____________________

(घ) तेरे को भी अभी जाना पड़ेगा। ____________________

(ङ) दाल में कोई काला है। ____________________

(च) मेरी घर के पास उसका घर है। ____________________

(छ) रवि, कुछ तुमसे मिलने आया है। ____________________

(ज) कोई को गाली मत दो। ____________________

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति उपर्युक्त सर्वनाम शब्दों से कीजिए—

__________ नहीं मालूम कि __________ कब आया था और __________ साथ __________ था? यह भी पता नहीं कि __________ लाया था? __________ सब तो __________ ही बता सकेगा। __________ सोचते हैं?

10. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके वाक्यों को पुनः लिखिए—

(क) रितु मेरी छोटी बहन है।

____

(ख) रितु पाँचवी कक्षा में पढ़ती है।

____

(ग) रितु को पढ़ना, खेलना और टी०वी० देखना अच्छा लगता है।

____

(घ) मेरे मम्मी और पापा रितु को बहुत प्यार करते हैं।

____

(ङ) रितु हमेशा खुश रहती है।

____

(च) रितु सभी बड़ों का आदर करती है।

____

(छ) पड़ोस के सभी बच्चे रितु के साथ खेलते हैं।

____

7 विशेषण
(Adjective)

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

काला हिरन रोज़ बगीचे में आता था। बगीचे में हरे-भरे पेड़ और सुंदर फूल खिले थे। बीच में मीठे पानी की एक नहर बहती थी। काला हिरन कुछ समय वहाँ घूमता था और फिर चला जाता था। राजा उस हिरन को देख-देखकर बहुत खुश होता था।

ऊपर लिखे वाक्यों में 'काला', 'हरे-भरे', 'सुंदर', 'मीठे', 'एक', 'कुछ' और 'उस' शब्द अपने साथ आए संज्ञा शब्दों के बारे में कुछ विशेष बता रहे हैं। ये शब्द 'विशेषण' हैं।

परिभाषा–संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता प्रकट करने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं।

जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें 'विशेष्य' कहते हैं।

ऊपर लिखे वाक्यों में 'हिरन', 'पेड़', 'फूल', 'पानी', 'नहर', 'समय' और 'हिरन' शब्द विशेष्य हैं।

विशेषण के भेद (Kinds of Adjective)

विशेषण के मुख्य चार भेद हैं–

1. गुणवाचक विशेषण (Adjective of Quality) : जो विशेषण शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण, दोष, रंग, आकार-प्रकार, समय आदि का बोध कराते हैं, उन्हें 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे–

गुण-दोष – अच्छा, बुरा, मीठा, खट्टा, कड़वा, वीर आदि।
रंग – लाल, नीला, पीला, काला, सफेद, आसमानी, हरा आदि।
आकार – लंबा, चौड़ा, छोटा, बड़ा, मोटा, पतला, गोल, चौकोर, तिकोना आदि।
स्वभाव – शांत, गंभीर, बुद्धिमान, कमज़ोर, गुस्सैल आदि।
स्थान – शहरी, ग्रामीण, पहाड़ी, रेगिस्तानी, भारतीय, जापानी आदि।
स्थिति – अमीर, गरीब, उदास, प्रसन्न, क्रुद्ध आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण (Adjective of Number) : जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्द की संख्या या गिनती बताते हैं, उन्हें 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे–

(i) मेरे पास दो पेन हैं।
(ii) चार पतंगें उड़ रही हैं।
(iii) तीन बच्चे विद्यालय जा रहे हैं।

इन वाक्यों में रंगीन छपे शब्द संख्यावाचक विशेषण हैं।

संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं–

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण–जिन विशेषण शब्दों से निश्चित संख्या का बोध होता है, उन्हें 'निश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे–तीन, छः, सौ, पाँच सौ, हजार आदि।

(ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण–जिन विशेषण शब्दों से किसी निश्चित संख्या का बोध नहीं होता है, उन्हें 'अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे–कुछ, कई, बहुत-से, थोड़े आदि।

3. परिमाणवाचक विशेषण (Adjective of Quantity) : जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा, माप या तोल बताते हैं, उन्हें 'परिमाणवाचक विशेषण' कहते हैं; जैसे–

मापने के शब्द – दो लीटर (दूध), एक कटोरी (चीनी)

नापने के शब्द – चार मीटर (कपड़ा), साठ गज़ (जमीन)

तौलने के शब्द – एक किलो (चीनी), दो सौ ग्राम (धनिया) आदि।

ये सभी निश्चित परिमाणवाचक विशेषण हैं। इनके अतिरिक्त अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण भी होते हैं; जैसे–कुछ लोग, थोड़ा-सा दूध, बहुत धन आदि।

4. संकेतवाचक या सार्वनामिक विशेषण (Demonstrative Adjective) : जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की ओर संकेत करते हैं, उन्हें 'संकेतवाचक विशेषण' कहते हैं। इन्हें 'सार्वनामिक विशेषण' भी कहते हैं, क्योंकि सर्वनाम होते हुए भी ये विशेषण का काम करते हैं; जैसे–

यह किताब

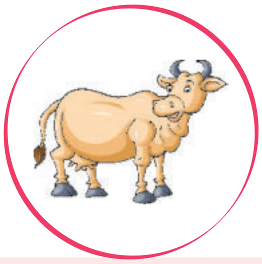
वह गाय

वे फूल

कोई आदमी

सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर–

- सर्वनाम संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं; जैसे–
  वह विद्यालय जा रही है।
- सार्वनामिक विशेषण शब्द संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता बताते हैं; जैसे–
  वह विद्यालय मेरा है।

विशेषणों की तुलनात्मक अवस्थाएँ (Degrees of Adjectives)

1. मूलावस्था (Positive Degree) : यह विशेषण का मुक्त रूप है। इसमें विशेषण शब्द बिना किसी से तुलना किए अपने मुक्त रूप में रहता है; जैसे–प्रिया एक सुंदर लड़की है।

2. उत्तरावस्था (Comparative Degree) : इसके अंतर्गत दो व्यक्तियों या वस्तुओं की तुलना करके उनमें से एक को दूसरे से अधिक अच्छा या बुरा बताया जाता है; जैसे–

(i) रिचा प्रिया से अधिक सुंदर लड़की है।

(ii) सेब संतरे से अधिक मीठा है।

3. उत्तमावस्था (Superlative Degree) : इसके अंतर्गत दो या दो से अधिक व्यक्तियों या वस्तुओं की तुलना करके उनमें से एक को सबसे ज्यादा अच्छा या सबसे बुरा बताया जाता है; जैसे–

(i) नीलिमा सबसे अधिक सुंदर है।

(ii) फलों में तरबूज सबसे मीठा होता है।

विशेषणों की रचना (Making of Adjectives)

कुछ शब्द मूल रूप से विशेषण होते हैं। कुछ विशेषण शब्दों की रचना निम्नलिखित शब्दों से की जाती है–

1. संज्ञा से **2.** सर्वनाम से **3.** क्रिया से

1. संज्ञा से विशेषण बनाना

(क) 'ई' प्रत्यय जोड़कर

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
स्वदेश	स्वदेशी	देश	देशी
पाप	पापी	जापान	जापानी
धन	धनी	प्रेम	प्रेमी
गुण	गुणी	लोभ	लोभी

(ख) 'ईय' प्रत्यय जोड़कर

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
भारत	भारतीय	आत्मा	आत्मीय
राष्ट्र	राष्ट्रीय	अग्नि	अग्नीय
स्थान	स्थानीय	ईश्वर	ईश्वरीय
जाति	जातीय	स्वर्ग	स्वर्गीय

2. सर्वनाम से विशेषण बनाना

सर्वनाम	विशेषण	सर्वनाम	विशेषण
कोई	कोई सा	कौन	कौन सा/कैसा
मैं	मेरा/मुझसा	तुम	तुम्हारा
यह	ऐसा	वह	वैसा

3. क्रिया से विशेषण बनाना

क्रिया	विशेषण	क्रिया	विशेषण
रखना	रखवाला	पढ़ना	पठित
वंद	वंदनीय	पंत्	पतित
भागना	भागने वाला	बेचना	बिकाऊ
कल्पना	कल्पित	पालना	पालने वाला

हमने सीखा.....

- संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं।
- विशेषण मुख्यतया चार प्रकार के होते हैं–
  1. गुणवाचक विशेषण, 2. संख्यावाचक विशेषण, 3. परिमाणवाचक विशेषण, 4. संकेतवाचक विशेषण।
- विशेषणों की तीन तुलनात्मक अवस्थाएँ होती हैं–
  1. मूलावस्था, 2. उत्तरावस्था, 3. उत्तमावस्था।
- संरचना की दृष्टि से क्रिया के चार भेद होते हैं–1. संयुक्त क्रिया, 2. प्रेरणार्थक क्रिया, 3. नामधातु क्रिया, 4. पूर्वकालिक क्रिया।

अभ्यास
Exercise

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें क्या कहते हैं?

(i) विशेषक ○ (ii) विशेषण ○ (iii) विशेष्य ○

(ख) जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की ओर संकेत करते हैं, उन्हें क्या कहते हैं?

(i) परिमाणवाचक विशेषण ○ (ii) संख्यावाचक विशेषण ○ (iii) संकेतवाचक विशेषण ○

(ग) 'धन' शब्द का विशेषण रूप है–

(i) धनी ○ (ii) धनवान ○ (iii) धनीय ○

(घ) संख्यावाचक विशेषण कितने प्रकार के होते हैं?

(i) दो ○ (ii) तीन ○ (iii) चार ○

(ङ) कौन-सी अवस्था में दो व्यक्तियों या वस्तुओं की तुलना करके उनमें से एक को अधिक अच्छा या बुरा बताया जाता है?

(i) मूलावस्था में ○ (ii) उत्तरावस्था में ○ (iii) उत्तमावस्था में ○

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) विशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

(ख) विशेष्य किसे कहते हैं?

____

(ग) विशेषण की अवस्थाएँ उदाहरण सहित समझाइए।

____

(घ) संख्यावाचक तथा परिमाणवाचक विशेषणों में अंतर बताइए।

____

(ङ) विशेषण के भेद उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

____

3. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेदों के नाम भी लिखिए—

(क) वह मुझसे दुगुना खाता है। ______________

(ख) ये लोग अमेरिका से आए हैं। ____________

(ग) जमीन पर कुछ पानी गिर गया। ____________

(घ) मोटा आदमी भागने की कोशिश कर रहा था। ____________

(ङ) मैं साफ़-सुथरे कपड़े पहनना चाहता हूँ। ____________

(च) हनी ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ____________

(छ) वह घोड़ा दौड़ रहा है। ____________

(ज) सफेद गुलाब मुझे बहुत पसंद है। ____________

4. निम्नलिखित विशेष्यों के साथ उचित विशेषण लिखिए—

____________ पानी	____________ किताब
____________ आदमी	____________ केला
____________ मेज़	____________ भालू
____________ रुई	____________ दूध
____________ बादल	____________ बच्चा

5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विशेषण शब्द लिखकर रिक्त स्थान भरिए—

(क) आकाश में ____________ तारे टिमटिमा रहे हैं।

(ख) स्वामी विवेकानंद ____________ विद्वान थे।

(ग) हमारे झंडे में ____________ रंग होते हैं।

(घ) ____________ बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं।

(ङ) ज़िराफ की गरदन ____________ होती है।

(च) सुमित कक्षा में सबसे ____________ विद्यार्थी है।

(छ) माली ____________ फूल चुन रहा है।

(ज) हमेशा ____________ फल खाने चाहिए।

6. 'बड़ा', 'कई' तथा 'लगभग' विशेषणों का प्रयोग करते हुए ऐसे वाक्य बनाइए जिनमें अनिश्चित संख्यावाचक और अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषणों का अंतर स्पष्ट हो सके—

(क) ____________

(ख) ____________

(ग) ____________

(घ) ____________

(ङ) ____________

(च) ____________

8

क्रिया
(Verb)

'क्रिया' का अर्थ है–कार्य। कार्य या तो होता है या किसी के द्‌वारा किया जाता है; जैसे–

1. घोड़ा घास चर रहा है।
2. नमिता बाज़ार जा रही है।
3. कुम्हार बर्तन बना रहा है।
4. सविता अपना पाठ याद कर रही है।

उपरोक्त वाक्यों में 'घोड़ा', 'नमिता', 'कुम्हार' व 'सविता' क्रमशः 'चरने', 'जाने', 'बनाने' और 'याद करने' का कार्य कर रहे हैं। ये कार्य ही 'क्रियाएँ' हैं।

परिभाषा–जिस शब्द से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है, उसे 'क्रिया' कहते हैं।

क्रिया के अन्य उदाहरण : पढ़ना, हँसना, दौड़ना, चलना, रोना, बोलना, खाना, पीना, देखना, तोड़ना आदि।

धातु

क्रिया के मूल रूप को 'धातु' कहते हैं; जैसे–जा, आ, लिख, पढ़, खेल आदि। धातु से क्रिया के विभिन्न रूप बनाए जाते हैं; जैसे–

आ – आना, आए, आया, आओ, आएगा, आऊँगा, आयेंगे आदि।
जा – जाना, जाएँ, जाओ, जाएगा, जाऊँगा, जाएँगे आदि।
खेल – खेलना, खेला, खेलेगा, खेलेंगे, खेलूँगा आदि।
पढ़ – पढ़ना, पढ़ा, पढ़ेगा, पढ़ूँगा आदि।
लिख – लिखना, लिखा, लिखेंगे, लिखूँगा आदि।

क्रिया के भेद (Kinds of Verb)

क्रिया के दो भेद होते हैं–

1. अकर्मक क्रिया (Intransitive Verb)
2. सकर्मक क्रिया (Transitive Verb)

1. अकर्मक क्रिया (Intransitive Verb) : वाक्य में क्रिया के साथ जब कर्म नहीं होता, तो उस क्रिया को 'अकर्मक क्रिया' कहते हैं; जैसे–

(i) रीमा पढ़ रही है।
(ii) जीतू सो रहा है।
(iii) वह दौड़ता है।
(iv) अध्यापक पढ़ाते हैं।

इन वाक्यों में 'पढ़ रही है', 'सो रहा है', 'दौड़ता है' और 'पढ़ाते हैं' क्रियाओं का कोई कर्म नहीं है, अतः ये अकर्मक क्रियाएँ हैं।

याद रखिए

रोना, हँसना, आना, जाना, सोना, जागना, चलना आदि क्रियाएँ अधिकतर अकर्मक रूप में ही प्रयोग की जाती हैं।

2. सकर्मक क्रिया (Tansitive Verb) : वाक्य में क्रिया के साथ जब कर्म भी हो, तो उस क्रिया को 'सकर्मक क्रिया' कहते हैं; जैसे–

(i) विनीता पुस्तक पढ़ रही है। (ii) अंजली गीत गा रही है।

इन वाक्यों में 'पढ़ रही है' और 'गा रही है' क्रियाओं के साथ क्रमशः पुस्तक तथा गीत कर्म लगे हैं। इनके बिना वाक्य का अर्थ स्पष्ट नहीं होता। अतः ये सकर्मक क्रियाएँ हैं।

याद रखिए

देना, पकड़ना, पीना, पढ़ना आदि क्रियाएँ अधिकतर सकर्मक रूप में ही प्रयोग की जाती हैं।

सकर्मक क्रियाएँ दो प्रकार की होती हैं–

(क) एककर्मक क्रिया (Verb with One Object)

(ख) द्विकर्मक क्रिया (Verb with Two Objects)

(क) एककर्मक क्रिया (Verb with One Object)—जिन क्रियाओं में एक कर्म होता है, उन्हें 'एककर्मक क्रिया' कहते हैं; जैसे–

(i) वह पत्र लिख रहा है। (ii) विपिन गाना गा रहा है।

(ख) द्विकर्मक क्रिया (Verb with Two Objects)—वह सकर्मक क्रिया जिसके दो कर्म होते हैं, 'द्विकर्मक क्रिया' कहलाती है; जैसे–

(i) राहुल ने तोते को हरी मिर्च खिलाई। (ii) उसने अपने भाई को पुस्तक दी।

सकर्मक और अकर्मक क्रियाओं की पहचान (Identification of Transitive and Intransitive Verbs)

वाक्य में क्रिया अकर्मक है या सकर्मक, यह जानने के लिए उसी वाक्य में क्रिया से पहले 'क्या' अथवा 'किसे' जोड़कर वाक्य को प्रश्नवाचक बना लीजिए। यदि वाक्य में कोई ऐसी चीज़ है जो उत्तर के रूप में बताई जा सकती हो, तो वह कर्म है और क्रिया सकर्मक है। अब यदि वाक्य में उत्तर के रूप में बताई जा सकने वाली कोई चीज़ नहीं है, तो क्रिया अकर्मक है; जैसे–

1. बच्चा पढ़ता है।

   बच्चा क्या पढ़ता है? *उत्तर*– × *(अकर्मक क्रिया)*

2. बच्चा दूध पीता है।

   बच्चा क्या पीता है? *उत्तर*– दूध *(सकर्मक क्रिया)*

संरचना की दृष्टि से क्रिया के भेद (Kinds of Verb by the Formation)

संरचना की दृष्टि से क्रिया के चार भेद होते हैं–

1. संयुक्त क्रिया (Compound Verb) : वे क्रियाएँ जो संयुक्त रूप से कार्य करती हैं, उन्हें 'संयुक्त क्रियाएँ' कहते हैं; जैसे–

(i) कुत्ता भौंक चुका। (ii) वह चुपचाप चला गया।

इन वाक्यों में रंगीन छपे शब्द संयुक्त क्रियाएँ हैं, क्योंकि ये क्रियाएँ संयुक्त रूप में प्रयुक्त हुई हैं।

2. प्रेरणार्थक क्रिया (Causative Verb) : जिन क्रियाओं से यह पता चलता है कि कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित कर रहा है, उन्हें 'प्रेरणार्थक क्रियाएँ' कहते हैं; जैसे–

(i) वह माली से पौधे लगवा रही है।
(ii) मालिक नौकर से खाना बनवाता है।

इन वाक्यों में रंगीन छपे शब्द प्रेरणार्थक क्रियाएँ हैं, क्योंकि ये क्रियाएँ स्वयं कार्य न करके दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

3. नामधातु क्रिया (Nominal Verb) : संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण बनाने वाली क्रियाएँ 'नामधातु क्रियाएँ' कहलाती हैं; जैसे–रंग–रंगना, झूठ–झुठलाना, गरम–गरमाना आदि।

4. पूर्वकालिक क्रिया (Preterite Verb) : जो क्रिया मुख्य रूप से पूर्व प्रयुक्त होती है, उसे 'पूर्वकालिक क्रिया' कहते हैं; जैसे–

(i) बच्चा पढ़कर खेलने गया।
(ii) वह कुत्ते को देखकर डर गया।

इन वाक्यों में रंगीन छपे शब्द पूर्वकालिक क्रियाएँ हैं।

हमने सीखा.....

- जिस शब्द से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है, उसे 'क्रिया' कहते हैं।
- क्रिया के मूल रूप को 'धातु' कहते हैं।
- वाक्य में क्रिया के साथ जब कर्म नहीं होता, तो उस क्रिया को 'अकर्मक क्रिया' कहते हैं।
- वाक्य में क्रिया के साथ जब कर्म भी हो, तो उस क्रिया को 'सकर्मक क्रिया' कहते हैं।
- संरचना की दृष्टि से क्रिया के चार भेद होते हैं–1. संयुक्त क्रिया, 2. प्रेरणार्थक क्रिया, 3. नामधातु क्रिया, 4. पूर्वकालिक क्रिया।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) क्रिया की परिभाषा लिखिए।

____

(ख) सकर्मक और अकर्मक क्रियाओं में अंतर बताइए।

____

(ग) धातु किसे कहते हैं?

____

(घ) संरचना की दृष्टि से क्रिया के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।

____

2. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा लिखिए कि वे अकर्मक हैं या सकर्मक—

(क) नैना नाचती है। ______________

(ख) मोर की गरदन लंबी होती है। ______________

(ग) चिड़िया उड़ गई। ______________

(घ) बिल्ली को देखते ही चूहा बिल में घुस गया। ______________

(ङ) अध्यापिका विद्यार्थियों को प्रदर्शनी दिखाने ले गईं। ______________

(च) बच्चे ने उसका हाथ पकड़ लिया। ______________

(छ) किसान हल चलाता है। ______________

3. क्रिया के उचित रूप से रिक्त स्थान भरिए—

(क) बंदर केला ______________ । *(खाना)*

(ख) नितिन सारा दिन ______________ । *(सोचना)*

(ग) सरसों की फसल खेत में ______________ । *(लहलहाना)*

(घ) रामू गड्ढे में ______________ । *(गिरना)*

(ङ) वह कल सुबह कानपुर ______________ । *(जाना)*

(च) शाम होते ही बच्चे पार्क में ______________ । *(खेलना)*

(छ) जंगल में मोर ______________ । *(नाचना)*

4. उचित कर्म चुनकर वाक्य पूरे कीजिए—

(क) मुझे पुरस्कार में कुछ ______________ मिलीं।

(i) फूल ○ (ii) चित्र ○ (iii) पुस्तकें ○

(ख) मेरी ______________ कल खो गई।

(i) पर्स ○ (ii) पुस्तक ○ (iii) पेन ○

(ग) मित्रों ने मुझे ______________ दिए।

(i) पुस्तकें ○ (ii) उपहार ○ (iii) पुरस्कार ○

(घ) पेड़ पर बंदर ______________ खा रहे थे।

(i) पत्ते ○ (ii) फल ○ (iii) कलियाँ ○

(ङ) रिद्धि ने बहुत सुंदर ______________ लिखी।

(i) पत्र ○ (ii) निबंध ○ (iii) कविता ○

5. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित क्रिया शब्द भरिए—

(क) घोड़ा तेज़ी से ______________ है।

(ख) परीक्षा ______________ है।

(ग) मदारी खेल ______________ है।

(घ) चिड़ियाँ दाना ______________ हैं।

(ङ) वह झूला ______________ रहा है।

(च) गाय घास ______________ रही है।

6. निम्नलिखित क्रिया शब्दों से वाक्य बनाइए—

(क) मिलना – ______________________________

(ख) समझना – ______________________________

(ग) भागना – ______________________________

(घ) पढ़ना – ______________________________

(ङ) चमकना – ______________________________

9

काल
(Tense)

'काल' का अर्थ है–समय। वाक्यों में क्रिया का समय अलग-अलग हो सकता है; जैसे–

(i) राहुल स्कूल जाता है।
(ii) राहुल स्कूल गया।
(iii) राहुल स्कूल जाएगा।

उपरोक्त वाक्यों में क्रिया के होने के समय का अलग-अलग बोध हो रहा है।

पहले वाक्य में वर्तमान काल का, दूसरे वाक्य में भूतकाल अर्थात् बीते हुए समय का, और तीसरे वाक्य में भविष्यत् काल अर्थात् आने वाले समय का बोध हो रहा है। काल के साथ क्रिया का रूप भी बदल जाता है।

परिभाषा–क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का ज्ञान हो,उसे 'काल' कहते हैं।

काल के भेद (Kinds of Tense)

काल के मुख्य तीन भेद होते हैं–

1. भूतकाल (Past Tense) : क्रिया का जो रूप उसके बीते हुए समय में होने की जानकारी देता है, उसे 'भूतकाल' कहते हैं; जैसे–

(i) श्रीराम ने रावण को मारा।
(ii) नमन बाज़ार गया था।
(iii) नौकरानी ने कपड़े धोए।

ये तीनों वाक्य भूतकाल के उदाहरण हैं क्योंकि इनमें क्रिया का बीते हुए समय में होने का बोध हो रहा है।

2. वर्तमान काल (Present Tense) : क्रिया के जिस रूप से उसके चल रहे समय में होने का पता चलता है, उसे 'वर्तमान काल' कहते हैं; जैसे–

(i) नेताजी भाषण दे रहे हैं।
(ii) लड़कियाँ गीत गा रही हैं।
(iii) बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।

ये तीनों वाक्य वर्तमान काल के उदाहरण हैं क्योंकि इनमें क्रिया चल रहे समय (वर्तमान) में हो रही है।

3. भविष्यत् काल (Future Tense) : क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय का बोध होता है, उसे 'भविष्यत् काल' कहते हैं; जैसे–

(i) छुट्टियों में हम नैनीताल जायेंगे।
(ii) कल हमारा मैच होगा।
(iii) मैं तुम्हें हिंदी सिखाऊँगा।

ये तीनों वाक्य भविष्यत् काल के उदाहरण हैं क्योंकि इनमें क्रिया का आने वाले समय में होने का बोध हो रहा है।

हमने सीखा.....

- क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का ज्ञान होता है, उसे 'काल' कहते हैं।
- काल के तीन भेद होते हैं—1. भूतकाल, 2. वर्तमान काल, 3. भविष्यत् काल।

अभ्यास EXERCISE

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) काल किसे कहते हैं?

____

(ख) भूतकाल किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

____

(ग) वर्तमान काल किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

____

(घ) भविष्यत् काल किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

____

2. नीचे दिए गए वाक्यों की क्रियाओं के सही काल बताइए—

(क) रीना कल सर्कस देखने गई। ______________

(ख) कल विद्यालय बंद रहेगा। ______________

(ग) भूकंप ने बहुत-से लोगों को बेघर कर दिया। ______________

(घ) डाकिया पत्र बाँटता है। ______________

(ङ) हम अपने अतिथि का स्वागत करते हैं। ______________

(च) मैं भी मौसी के घर चलूँगी। ______________

3. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठकों में दिए गए निर्देशानुसार बदलिए—

(क) गाड़ी चार बजे आई। *(वर्तमान काल)* ______________

(ख) माताजी ने खाना बनाया। *(वर्तमान काल)* ______________

(ग) शायद वह कल आएगा। *(भूतकाल)* ______________

(घ) मैं उससे रोज़ मिलता हूँ। *(भूतकाल)* ______________

(ङ) सीमा तबला बजा रही थी। *(भविष्यत् काल)* ______________

(च) पापा ने घर में प्रवेश किया। *(वर्तमान काल)* ______________

(छ) हम रोज़ कहानी सुनते हैं। *(भविष्यत् काल)* ______________

(ज) तुमने पिताजी को पत्र लिखा। *(भविष्यत् काल)* ______________

10

अविकारी शब्द
(Indeclinable Words)

'अविकारी' का अर्थ है–जिनमें परिवर्तन या विकार न आए। संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया तथा विशेषण शब्दों में लिंग, वचन, कारक तथा काल के कारण बदलाव आ जाता है। परंतु हिंदी भाषा में कुछ ऐसे शब्द भी हैं जो सदा एकसमान रहते हैं और उनका रूप लिंग, वचन, काल या कारक के प्रभाव से नहीं बदलता है। उन्हें 'अव्यय' या 'अविकारी शब्द' कहते हैं।

अव्यय

- क्रियाविशेषण
- संबंधबोधक
- समुच्चयबोधक
- विस्मयादिबोधक

क्रियाविशेषण (Adverb)

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

1. मृदुल नीचे खड़ा है।
2. घोड़ा तेज़ दौड़ता है।
3. अचानक निधि गिर गई।
4. मैं रोज़ सैर पर जाती हूँ।

इन वाक्यों में 'नीचे', 'तेज़', 'अचानक' और 'रोज़' शब्द बता रहे हैं कि क्रिया कहाँ, कैसे, कब और कितनी मात्रा में हुई। ये शब्द 'क्रियाविशेषण' शब्द हैं।

परिभाषा–जो अव्यय शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें 'क्रियाविशेषण' कहते हैं।

क्रियाविशेषण के भेद (Kinds of Adverb)

क्रियाविशेषण के चार मुख्य भेद हैं–

1. कालवाचक क्रियाविशेषण (Adverb of Time) : क्रिया के होने की रीति या विधि को 'कालवाचक क्रियाविशेषण' कहते हैं; जैसे–

(i) झरना लगातार बहता रहता है।
(ii) मैं प्रतिदिन मंदिर जाता हूँ।

समय जानने के लिए हम 'कब' शब्द से प्रश्न करते हैं।

कालवाचक क्रियाविशेषण के कुछ उदाहरण : कल, आज, परसों, सुबह, प्रातः, अभी, तुरंत, सायं, तब, शीघ्र आदि।

2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण (Adverb of Place) : क्रिया के स्थान का बोध कराने वाले अव्यय को 'स्थानवाचक क्रियाविशेषण' कहते हैं; जैसे–

(i) बिल्ली इधर-उधर घूम रही है। (ii) उधर मत जाओ।

स्थान जानने के लिए हम 'कहाँ' शब्द से प्रश्न करते हैं।

स्थानवाचक क्रियाविशेषण के कुछ उदाहरण : यहाँ, वहाँ, ऊपर, नीचे, अंदर, बाहर, यहाँ-वहाँ, इस ओर, आगे, पीछे, दूर आदि।

3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण (Adverb of Quantity) : जो अव्यय शब्द परिमाण का बोध कराते हैं, उन्हें 'परिमाणवाचक क्रियाविशेषण' कहते हैं; जैसे–

(i) आकाश बहुत रोया। (ii) गिलास जूस से आधा भरा हुआ है।

परिमाण या मात्रा जानने के लिए हम 'कितना' शब्द से प्रश्न करते हैं।

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण के कुछ उदाहरण : बहुत, थोड़ा, खूब, कम, इतना, लगभग, जरा-सा, कुछ आदि।

4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण (Adverb of Manner) : क्रिया के होने की रीति या विधि का बोध कराने वाले अव्यय को 'रीतिवाचक क्रियाविशेषण' कहते हैं; जैसे–

(i) वर्षा तेज़ हो रही है। (ii) वह अचानक आ गई।

रीति या विधि जानने के लिए 'कैसे' शब्द से प्रश्न करते हैं।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण के कुछ उदाहरण : लगातार, शायद, सही, धीरे-धीरे, मात्र, ठीक, गलत, जरूर, जल्दी-जल्दी आदि।

हमने सीखा.....

- अविकारी शब्दों का रूप लिंग, वचन, काल या कारक के प्रभाव से नहीं बदलता।
- जो अव्यय शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें 'क्रियाविशेषण' कहते हैं।
- क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते हैं–1. कालवाचक क्रियाविशेषण, 2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण।

अभ्यास Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) अव्यय किन्हें कहते हैं? इनके कौन-कौन से भेद हैं?

____

(ख) क्रियाविशेषण किसे कहते हैं? उसके कौन-कौन से उपभेद हैं?

____

(ग) कालवाचक और स्थानवाचक क्रियाविशेषण में अंतर बताइए।

____

(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

(ङ) रीतिवाचक क्रियाविशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

2. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्दों के नीचे रेखा खींचिए तथा उनके भेद भी लिखिए—

(क) धीरे-धीरे मत बोलो। ______________

(ख) बच्चे बाहर खेल रहे हैं। ______________

(ग) यश बहुत दूर रहता है। ______________

(घ) वह कल घर चला जाएगा। ______________

(ङ) यह पुस्तक धड़ाधड़ बिक रही है। ______________

(च) खरगोश झटपट दौड़ने लगा। ______________

3. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में क्रियाविशेषण शब्द भरिए—

(क) मेरे दादा जी ______________ पार्क में घूमने जाते हैं।

(ख) कछुआ ______________ चलता है।

(ग) नौकर ______________ काम करते हैं।

(घ) राकेश छत के ______________ खड़ा है।

(ङ) ______________ काम करने से स्वास्थ्य बिगड़ जाएगा।

(च) मैं वहाँ ______________ तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

4. निम्नलिखित क्रियाविशेषण शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) उधर – ______________

(ख) जब – ______________

(ग) बाहर – ______________

(घ) खूब – ______________

(ङ) तुरंत – ______________

(च) भीतर – ______________

संबंधबोधक (Preposition)

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए –

1. बच्चा माँ के लिए रो रहा है।
2. चिड़िया पेड़ पर बैठी है।
3. नीम के नीचे कुआँ है।
4. मेज़ के ऊपर एक पुस्तक है।

इन वाक्यों में 'के लिए', 'पर', 'के नीचे' और 'के ऊपर' शब्द बच्चा, चिड़िया, नीम और मेज संज्ञा शब्दों के संबंध क्रमशः माँ, पेड़, कुआँ और पुस्तक संज्ञा शब्दों से बता रहे हैं। अतः ये 'संबंधबोधक' शब्द हैं।

परिभाषा–जो अव्यय शब्द संज्ञा-सर्वनाम शब्दों के साथ जुड़कर उनका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से बताते हैं, उन्हें 'संबंधबोधक' अव्यय कहते हैं।

उदाहरण : के पीछे, के आगे, के बाहर, के भीतर, के बाद, के पहले, जगह पर, बदले में, के अंदर, के समीप, में, के विपरीत, की तरफ, के उपरांत आदि।

ध्यान दीजिए :

कुछ शब्द ऐसे हैं जो क्रियाविशेषण भी हैं और संबंधबोधक भी; जैसे–

क्रियाविशेषण	संबंधबोधक
पिताजी ऊपर हैं।	बिल्ली मेज़ के ऊपर है।
बाहर मत खेलो।	खिड़की से बाहर मत झाँको।
सीमा आगे चलो।	सार्थक मोहित से आगे निकल गया।

ध्यान दीजिए कि रंगीन शब्द जब 'के', 'से', 'की' आदि के बिना प्रयुक्त होते हैं तो वे 'क्रियाविशेषण' होते हैं, और 'के', 'से', 'की' आदि के साथ जुड़कर प्रयुक्त होने पर ये 'संबंधबोधक' बन जाते हैं।

संबंधबोधक के भेद (Kinds of Preposition)

1. कालवाचक – के बाद, के पहले, के पश्चात्
2. स्थानवाचक – के बाहर, के भीतर, के अंदर, के ऊपर, के सामने, के बीच, के पास
3. दिशावाचक – की ओर, के पास, के सामने, की बाईं तरफ
4. साधनवाचक – के द्‌वारा, की खातिर, के सहारे, के कारण
5. समतावाचक – के समान, की भाँति, के बराबर, जैसा, ऐसा
6. विरोधवाचक – के विपरीत, के खिलाफ़, के विरुद्‌ध

हमने सीखा.....

- 'संबंधबोधक' ऐसे अव्यय शब्द हैं जो संज्ञा या सर्वनाम के साथ आकर उनका वाक्य के अन्य शब्दों से संबंध जोड़ते हैं।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) संबंधबोधक किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

____

(ख) संबंधबोधक के भेद बताइए।

____

(ग) संबंधबोधक और क्रियाविशेषण में अंतर बताइए।

____

2. निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक शब्दों को रेखांकित कीजिए—

(क) हमारे घर के पीछे एक मैदान है।

(ख) मेरे विद्‌यालय के पास एक बगीचा है।

(ग) अंधकार के कारण कुछ दिखाई नहीं दे रहा है।
(घ) डर के मारे उसकी चीख निकल गई।
(ङ) मछली पानी के अंदर है।
(च) मेज़ के नीचे बिल्ली बैठी है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित संबंधबोधक से कीजिए—

(क) मेरे घर __________ चाय की दुकान है।
(ख) प्रीति अपनी बहन __________ बाज़ार गई।
(ग) गर्मियों में यात्री पेड़ __________ बैठते हैं।
(घ) खाना खाने __________ स्वाति घूमने गई।
(ङ) नैना भागकर घर __________ चली गई।
(च) आजकल धन __________ काम नहीं चलता।

4. निम्नलिखित संबंधबोधक शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) के पीछे __________
(ख) के द्वारा __________
(ग) के अंदर __________
(घ) के साथ __________
(ङ) के निकट __________
(च) के समान __________

समुच्चयबोधक (Conjunction)

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

1. नीतू जाएगी अथवा करीना जाएगी।
2. लड़के और लड़कियाँ खेल रहे हैं।
3. वह गरीब अवश्य है परंतु ईमानदार है।
4. बारिश बहुत तेज़ है इसलिए मैं विद्यालय नहीं जाऊँगा।

इन वाक्यों में 'अथवा', 'और', 'परंतु' और 'इसलिए' शब्द दो शब्दों, वाक्यांशों और वाक्यों को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं; अतः ये 'समुच्चयबोधक' अव्यय हैं।

परिभाषा–जो शब्द दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें 'समुच्चयबोधक' या 'योजक' शब्द कहते हैं।

उदाहरण : किंतु, लेकिन, या, एवं, क्योंकि, तथा आदि।

समुच्चयबोधक के भेद (Kinds of Conjunction)

समुच्चयबोधक के दो भेद हैं–

1. **समानाधिकरण समुच्चयबोधक :** वे समुच्चयबोधक जो शब्दों और वाक्यों को समानता के आधार पर जोड़ते हैं, उन्हें 'समानाधिकरण समुच्चयबोधक' कहते हैं; जैसे–

(i) रेशू और प्रिंसी नाचती हैं।
(ii) मैंने कोशिश की लेकिन सब बेकार गई।

इनके अतिरिक्त कुछ अन्य उदाहरण हैं–परंतु, मगर, या, तथा आदि।

समानाधिकरण समुच्चयबोधक चार प्रकार के होते हैं–

(क) संयोजक–ये दो पदों, वाक्यों या वाक्यांशों को आपस में जोड़ते हैं; जैसे–और, तथा, एवं, जोकि आदि।

(ख) विकल्पक–ये शब्द-भेद प्रकट करते हैं, जिनमें एक के ग्रहण और दूसरे के त्याग का बोध होता है; जैसे–या, अथवा, अन्यथा, चाहे आदि।

(ग) विरोधदर्शक–ये शब्द दो विरोधपूर्वक वाक्यों को आपस में जोड़ते हैं; जैसे–किंतु, परंतु, लेकिन, अपितु, बल्कि आदि।

(घ) परिमाणदर्शक–ये शब्द दो उपवाक्यों को इस प्रकार जोड़ते हैं कि दूसरा उपवाक्य पहले उपवाक्य के परिमाण का बोध कराता है; जैसे–इसलिए, ताकि, नहीं तो आदि।

2. व्यधिकरण समुच्चयबोधक : जो अव्यय किसी वाक्य के एक या अधिक आश्रित उपवाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें 'व्यधिकरण समुच्चयबोधक' अव्यय कहते हैं; जैसे–

(i) पापा ने कहा कि तुरंत माली को बुलाओ।

(ii) रुद्रांश स्कूल नहीं गया क्योंकि वह बीमार था।

इनके अतिरिक्त कुछ अन्य उदाहरण हैं : यद्यपि, इसलिए, चूँकि, ताकि आदि।

व्यधिकरण समुच्चयबोधक चार प्रकार के होते हैं–

(क) संकेतबोधक–इस अव्यय के द्वारा प्रथम उपवाक्य से दूसरे उपवाक्य में कही गई बात की शर्त को प्रकट किया जाता है; जैसे–यदि, यद्यपि, तथापि, अगर, तो, चाहे आदि।

(ख) हेतुबोधक–ये दूसरे उपवाक्य में प्रथम उपवाक्य का कारण प्रकट करते हैं; जैसे–इसलिए, क्योंकि, कि आदि।

(ग) उद्देश्यबोधक–इस अव्यय के द्वारा दूसरे उपवाक्य में पहले उपवाक्य का उद्देश्य प्रकट होता है; जैसे–जिससे, ताकि आदि।

(घ) स्वरूपबोधक–इसके द्वारा किसी बात के स्वरूप को स्पष्ट किया जाता है; जैसे–मानो, यानि, अर्थात् आदि।

हमने सीखा.....

- जो शब्द दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें 'समुच्चयबोधक' या 'योजक' शब्द कहते हैं।
- समुच्चयबोधक अव्यय के दो भेद होते हैं–समानाधिकरण समुच्चयबोधक व व्यधिकरण समुच्चयबोधक।

अभ्यास EXERCISE

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) समुच्चयबोधक अव्यय क्या हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

(ख) समानाधिकरण तथा व्यधिकरण समुच्चयबोधक में अंतर बताइए।

____

2. रिक्त स्थानों में उचित समुच्चयबोधक शब्द भरिए—

(क) तुम आओ ____________ न आओ, मुझे क्या?

(i) या ○ (ii) और ○ (iii) किंतु ○

(ख) सत्य बोलो ______ दंड के भागी बनोगे।

(i) अन्यथा ◯ (ii) ताकि ◯ (iii) परंतु ◯

(ग) जतिन ______ मनु बहुत मेहनती लड़के हैं।

(i) और ◯ (ii) परंतु ◯ (iii) या ◯

(घ) गुरुजनों का कहना मानो ______ पछताओगे।

(i) और ◯ (ii) या ◯ (iii) वरना ◯

(ङ) मैं तुम्हारे पास अवश्य आता ______ समय ही नहीं मिला।

(i) या ◯ (ii) और ◯ (iii) लेकिन ◯

(च) छाता ले लो ______ वर्षा होने वाली है।

(i) ताकि ◯ (ii) क्योंकि ◯ (iii) बल्कि ◯

3. नीचे दिए गए वाक्यों के समुच्चयबोधक शब्दों को छाँटकर लिखिए—

(क) मेहनत करोगे तो अच्छे अंक पाओगे। ______

(ख) रोहित ने अपना काम पूरा कर लिया और घर चला गया। ______

(ग) तेज़ चलो ताकि बस पकड़ सको। ______

(घ) खिड़कियाँ बंद कर लो ताकि ठंडी हवा अंदर न आ सके। ______

(ङ) तुम मानो या न मानो, दाल में कुछ काला ज़रूर है। ______

(च) उसे दंड मिला क्योंकि उसने झूठ बोला था। ______

4. निम्नलिखित समुच्चयबोधक शब्दों को सही शीर्षक के नीचे लिखिए—

और, यद्यपि, कि, ताकि, इसलिए,
पर, अथवा, अर्थात्, तथा, क्योंकि

समानाधिकरण	व्यधिकरण

5. निम्नलिखित समुच्चयबोधक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) क्योंकि ______

(ख) या ______

(ग) अन्यथा ______

(घ) किंतु ______

(ङ) इसलिए ______

(च) तथा ______

विस्मयादिबोधक (Interjection)

निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

1. शाबाश! तुम जीत गए।
2. वाह! कितना सुंदर फूल है।
3. छिः छिः! कितना गंदा घर है।
4. हाय राम! मैं तो लुट गया।

इन वाक्यों में 'शाबाश', 'वाह', 'छिः छिः' और 'हाय राम' शब्द तरह-तरह के मन के भावों को प्रकट कर रहे हैं। अतः ये 'विस्मयादिबोधक' शब्द हैं।

परिभाषा–हर्ष, शोक, भय, आश्चर्य, घृणा आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों को 'विस्मयादिबोधक' अव्यय कहते हैं।

उदाहरण : हाय, ओह, अरे, अहा, ओफ़, बाप रे, काश आदि।

विस्मयादिबोधक शब्द सदैव वाक्य के आरंभ में प्रयोग किए जाते हैं और इनके आगे विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है।

विस्मयादिबोधक शब्दों के प्रकार (Kinds of Interjections)

विस्मय : अरे, हे, क्या
हर्ष : वाह, क्या खूब, बहुत अच्छा
व्यथा : ओह, हाय, हे राम, उफ़
संवेदना : हाय राम, तौबा-तौबा
घृणा : छिः छिः
तिरस्कार : हट, ओफ़
स्वीकार : हाँ-हाँ, अच्छा

हमने सीखा.....

- हर्ष, शोक, भय, आश्चर्य, घृणा आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों को 'विस्मयादिबोधक' अव्यय कहते हैं।
- विस्मयादिबोधक शब्दों के साथ विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है।

अभ्यास EXERCISE

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) विस्मयादिबोधक अव्यय क्या हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

____

(ख) विस्मयादिबोधक अव्यय कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण दीजिए।

____

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित विस्मयादिबोधक शब्दों से कीजिए—

(क) ________ कितनी ऊँची मीनार है।

(ख) ________ मेरी रक्षा करना।

(ग) ________ वह देखो, कितना बड़ा साँप है।

(घ) ________ गेंद नाली में गिर गई।

(ङ) ________ तुम कितने गंदे लड़के हो।

(च) ________ हम मैच जीत गए।

3. नीचे दिए गए वाक्यों से विस्मयादिबोधक शब्द छाँटकर लिखिए—

(क) वाह! मजा आ गया। ________

(ख) धिक्कार है! उसने देश का भेद एक विदेशी को बता दिया। ________

(ग) उफ़! कितनी गर्मी है यहाँ। ________

(घ) अरे! तू तो बड़ा सुस्त है। ________

(ङ) शाबाश! तुमने बहुत अच्छा काम किया। ________

(च) अहा! कितना सुंदर गुलाब है। ________

4. निम्नलिखित विस्मयादिबोधक शब्दों का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए—

(क) छिः! ________

(ख) काश! ________

(ग) वाह! ________

(घ) काश! ________

(ङ) हाय राम! ________

(च) ओह! ________

5. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और बताइए कि विस्मयादिबोधक शब्द कौन-सा भाव प्रकट कर रहे हैं—

(क) वाह! क्या मित्रता है। हर्ष का भाव

(ख) वाह! तुमने तो कमाल कर दिया। ________

(ग) ऐं! डाकू जेल से भाग गया। ________

(घ) हाय! बेचारा अनाथ हो गया। ________

(ङ) छिः छिः! इतनी बेशरमी। ________

(च) बाप रे! कितना अंधेरा है। ________

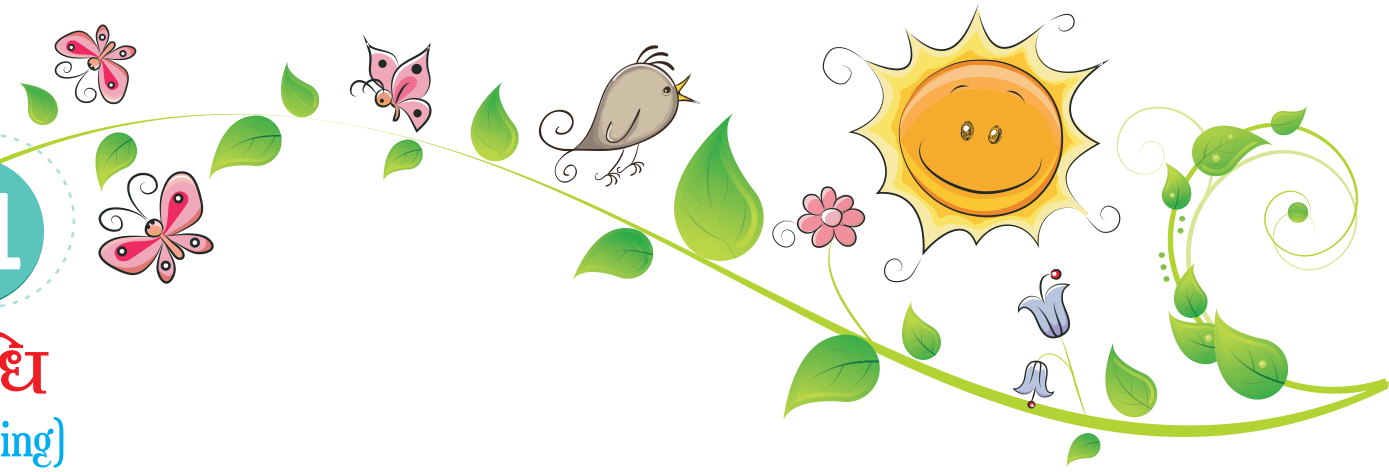

11

संधि
(Joining)

'संधि' शब्द का अर्थ है–निश्चित और मान्य शर्तों के आधार पर होने वाला मेल या समझौता। कभी-कभी दो ध्वनियाँ या वर्ण एक-दूसरे के इतने और इस प्रकार निकट आ जाते हैं कि उनको उनके असली रूप में अलग-अलग बोल पाना कठिन हो जाता है। वे दोनों मिलकर एक तीसरे (अन्य) वर्ण का रूप ले लेते हैं। दो वर्णों का इस प्रकार मिलकर अन्य वर्ण में बदल जाना ही 'संधि' कहलाता है।

परिभाषा–दो ध्वनियों के पास आ जाने से उनके मिलने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे 'संधि' कहते हैं।

जैसे–सूर्य + उदय = सूर्योदय, विद्या + आलय = विद्यालय।

संधि–विच्छेद (Disjoining)

संधि हुए शब्दों को अलग करना 'संधि-विच्छेद' कहलाता है; जैसे–शिवालय = शिव + आलय, महेश = महा + ईश।

संधि–भेद (Kinds of Joining)

संधि के तीन भेद हैं–

1. स्वर संधि (Vowels Joining)
2. व्यंजन संधि (Consonants Joining)
3. विसर्ग संधि (Colon Joining)

1. स्वर संधि (Vowels Joining) : दो स्वरों के मेल से होने वाली संधि को 'स्वर संधि' कहते हैं; जैसे–'विद्या' का 'आ' तथा 'आलय' का 'आ' में संधि होकर 'आ' ही हो जाता है, अर्थात् विद्या + आलय = विद्यालय।

स्वर संधि के उदाहरण :

धर्म	+	आत्मा	=	धर्मात्मा	(अ + आ = आ)
रेखा	+	अंकित	=	रेखांकित	(आ + अ = आ)
रवि	+	इंद्र	=	रवींद्र	(इ + इ = ई)
परि	+	ईक्षा	=	परीक्षा	(इ + ई = ई)
भानु	+	उदय	=	भानूदय	(उ + उ = ऊ)
देव	+	इंद्र	=	देवेंद्र	(अ + इ = ए)
नर	+	ईश	=	नरेश	(आ + ई = ए)
राजा	+	इंद्र	=	राजेंद्र	(आ + इ = ए)

सूर्य	+	उदय	=	सूर्योदय	(अ+ उ = ओ)
महा	+	उत्सव	=	महोत्सव	(आ + उ = ओ)
देव	+	ऋषि	=	देवर्षि	(अ + ऋ = अर्)
महा	+	ऋषि	=	महर्षि	(आ + ऋ = अर्)
एक	+	एक	=	एकैक	(अ + ए = ऐ)
नव	+	ऐश्वर्य	=	नवैश्वर्य	(अ + ऐ = ऐ)
तथा	+	एव	=	तथैव	(आ + ए = ऐ)
परम	+	ओज	=	परमौज	(अ + ओ = औ)
महा	+	ओज	=	महौज	(आ + ओ = औ)
परम	+	औषध	=	परमौषध	(अ + औ = औ)
महा	+	औषध	=	महौषध	(आ + औ = औ)
इति	+	आदि	=	इत्यादि	(इ + आ = या)
प्रति	+	एक	=	प्रत्येक	(इ + ए = ये)
सु	+	आगत	=	स्वागत	(उ + आ = वा)

2. व्यंजन संधि (Consonants Joining) : व्यंजन तथा स्वर, स्वर तथा व्यंजन, व्यंजन तथा व्यंजन के पारस्परिक मेल से होने वाला परिवर्तन 'व्यंजन संधि' कहलाता है।

व्यंजन संधि में वर्णों के पारस्परिक मेल के कई रूप होते हैं; जैसे–व्यंजन और स्वर का मेल, स्वर और व्यंजन का मेल, व्यंजन और व्यंजन का मेल।

व्यंजन संधि के उदाहरण :

वाक्	+	ईश	=	वागीश	(क् + ई = गी)
सत्	+	आचार	=	सदाचार	(त् + आ = दा)
जगत्	+	ईश	=	जगदीश	(त् + ई = दी)
तत्	+	अनुसार	=	तदानुसार	(त् + अ = द)
सत्	+	मार्ग	=	सन्मार्ग	(त् + म = न्)
उत्	+	चारण	=	उच्चारण	(त् + च = च्च)
उत्	+	ज्वल	=	उज्ज्वल	(त् + ज = ज्ज)
उत्	+	लेख	=	उल्लेख	(त् + ल = ल्ल)
सम्	+	मति	=	सम्मति	(म् + म = म्म)
सत्	+	आनंद	=	सदानंद	(त् + आ = दा)

3. विसर्ग संधि (Colon Joining) : विसर्ग का किसी स्वर या व्यंजन के साथ मेल होने पर जो विकार होता है, उसे 'विसर्ग संधि' कहते हैं; जैसे–

निः	+	चल	=	निश्चल	दुः	+	शासन	= दुश्शासन
निः	+	चिंत	=	निश्चिंत	दुः	+	चरित्र	= दुश्चरित्र

दुः	+	साहस	=	दुस्साहस
निः	+	प्राण	=	निष्प्राण
निः	+	ठुर	=	निष्ठुर
यशः	+	दा	=	यशोदा
सरः	+	ज	=	सरोज
अधः	+	गति	=	अधोगति
नमः	+	ते	=	नमस्ते
धनुः	+	टंकार	=	धनुष्टंकार
दुः	+	कर्म	=	दुष्कर्म
मनः	+	हर	=	मनोहर
तपः	+	भूमि	=	तपोभूमि
यशः	+	भूमि	=	यशोभूमि

हमने सीखा.....

- दो ध्वनियों के आपस में मिलने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे 'संधि' कहते हैं।
- संधि के तीन भेद हैं–1. स्वर संधि, 2. व्यंजन संधि, 3. विसर्ग संधि।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) संधि किसे कहते हैं?

____

(ख) संधि के कितने भेद हैं? प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।

____

(ग) संधि-विच्छेद किसे कहते हैं?

____

(घ) स्वर संधि तथा व्यंजन संधि में अंतर बताइए।

____

2. संधि-विच्छेद करके संधि का नाम बताइए—

	शब्द	संधि-विच्छेद	संधि
(क)	रामावतार	________	________
(ख)	प्रत्येक	________	________
(ग)	सदैव	________	________
(घ)	कारावास	________	________
(ङ)	उज्ज्वल	________	________
(च)	सूर्योदय	________	________
(छ)	उल्लेख	________	________
(ज)	हिमालय	________	________

(झ) कारावास ______ ______

(ञ) निराशा ______ ______

(ट) अनुसरण ______ ______

(ठ) तपोबल ______ ______

3. संधि कीजिए—

(क) दुः + चरित्र ______

(ख) इति + आदि ______

(ग) उत् + लास ______

(घ) उत् + नति ______

(ङ) जगत् + नाथ ______

(च) मनः + हर ______

(छ) वाक् + ईश ______

(ज) नव + ऐश्वर्य ______

(झ) एक + एक ______

(ञ) दुः + कर्म ______

(ट) लघु + उत्तर ______

(ठ) तथा + एव ______

(ड) महा + ऋषि ______

(ढ) यशः + भूमि ______

(ण) सम् + मति ______

(त) मातृ + आज्ञा ______

4. निम्नलिखित के दो-दो उदाहरण दीजिए—

उ + आ = वा ______ ______

आ + ए = ऐ ______ ______

इ + इ = ई ______ ______

इ + आ = या ______ ______

आ + औ = औ ______ ______

अ + औ = औ ______ ______

उ + उ = ऊ ______ ______

त् + अ = द ______ ______

अ + उ = ओ ______ ______

अ + ऋ = अर् ______ ______

अ + ऐ = ऐ ______ ______

त् + ज = ज्ज ______ ______

12

विराम-चिह्न
(Punctuation Marks)

'विराम' शब्द का अर्थ है–रुकना। जब हम अपने भावों को भाषा के द्वारा व्यक्त करते हैं, तब एक भाव की अभिव्यक्ति के बाद कुछ देर रुकते हैं; यह रुकना ही 'विराम' कहलाता है। यदि बिना रुके हम अपनी बात को कहते हैं तो सुनने वाले की समझ में कुछ भी नहीं आएगा। कई बार भाव का अनर्थ भी हो जाता है। यदि हम उचित जगह पर रुककर अपनी बात कहेंगे, तो ठीक रहेगा। इसी प्रकार लिखते समय विराम चिह्नों के प्रयोग से न केवल भावों में स्पष्टता आती है बल्कि उनका प्रभाव और सौंदर्य भी बढ़ जाता है।

परिभाषा–वाक्य में आने वाले भावों को प्रकट करने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें 'विराम चिह्न' कहते हैं।

प्रमुख विराम-चिह्न (Main Punctuation Marks)

हिंदी भाषा में प्रयोग किये जाने वाले प्रमुख विराम चिह्न निम्न प्रकार हैं–

1. पूर्ण विराम (।) : प्रत्येक वाक्य के पूर्ण होने पर पूर्ण विराम (।) का प्रयोग किया जाता है; जैसे–वह जाता है।

2. अल्प विराम (,) : वाक्य पढ़ते समय जिस स्थान पर थोड़ी देर के लिए रुकना हो, वहाँ अल्प विराम (,) का प्रयोग किया जाता है।

इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थानों पर किया जाता है–

(i) वाक्य में आए शब्दों के जोड़ों को एक-दूसरे से अलग करने के लिए; जैसे–दिन-रात, सरदी-गरमी, सुख-दुःख और पाप-पुण्य सब परमात्मा की देन हैं।

(ii) वाक्य में आए शब्दों को अलग करने के लिए; जैसे–रजत, रवि, शशी और प्रिया एक साथ आए।

(iii) लोगों के प्रश्न या कथन को उसी रूप में लिखने से पहले; जैसे–दानव ज़ोर से चिल्लाया, "यह बगीचा मेरा है।"

(iv) संबोधन के लिए; जैसे–दादा जी, आप हमारे साथ चलिए।

(v) 'हाँ' या 'नहीं' के बाद; जैसे–

- हाँ, मैंने यह कार्य किया है।
- नहीं, मैं नहीं चलूँगा।

3. अर्ध विराम (;) : अर्ध विराम का प्रयोग अल्प विराम की अपेक्षा अधिक समय तक रुकने के लिए किया जाता है; जैसे–सूर्योदय हो गया; अंधकार न जाने कहाँ लुप्त हो गया।

4. प्रश्नवाचक चिह्न (?) : वाक्य में जहाँ प्रश्न पूछा जाता है, वहाँ प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

- तुम्हारे हाथ में क्या है?
- तुम्हें कौन पढ़ाता है?

5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!) : आश्चर्य, शोक, घृणा, हर्ष आदि भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

- वाह! यह तो बहुत सुंदर है।
- अरे! तुम कब आए?

6. निर्देशक चिह्न (–) : अपनी बात को स्पष्ट करने या उदाहरण देने के लिए निर्देशक चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे–मृगनयन का अर्थ है–मृग जैसे नयन।

7. योजक चिह्न (-) : दो शब्दों को जोड़ने के लिए योजक चिह्न (-) का प्रयोग किया जाता है; जैसे–वह व्यक्ति चलते-चलते गिर गया।

8. उद्धरण चिह्न (" ") (' ') : उद्धरण चिह्न दो प्रकार के होते हैं–

(i) इकहरा उद्धरण चिह्न (' ')–इसका प्रयोग वाक्य के अंतर्गत आए हुए शब्द विशेष, व्यक्ति, वस्तु का नाम लिखने के लिए किया जाता है ; जैसे– यह अंश हमारी पाठ्य पुस्तक 'हमारा व्याकरण' से लिया गया है।

(ii) दोहरा उद्धरण चिह्न (" ")–किसी के कथन को उसी के शब्दों में ज्यों का त्यों दिखाने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है; जैसे–पिताजी ने चंचल से कहा, "मेरे साथ चलो।"

9. लाघव चिह्न (०) : शब्द को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है; जैसे–

- डॉक्टर – डॉ०
- पंडित – पं०
- प्राइवेट लिमिटेड – प्रा० लि०
- टेलीविजन – टी० वी०

10. कोष्ठक चिह्न (()) : किसी ऐसी सामग्री को जो मुख्य वाक्य का अंग नहीं है तथा किसी शब्द के अर्थ को प्रकट करने के लिए कोष्ठक () का उपयोग करते हैं; जैसे–निरंतर (लगातार) व्यायाम करने से मनुष्य स्वस्थ रहता है।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) विराम-चिह्न की परिभाषा लिखिए।

____

(ख) पूर्ण विराम और अल्प विराम में क्या अंतर है?

____

(ग) उद्धरण चिह्न कितने प्रकार के होते हैं?

____

2. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाकर पुनः लिखिए—

(क) जहाँ देखो वहाँ मोटर स्कूटर और गाड़ियों का धुआँ व शोर है

____

(ख) मैं आलू टमाटर बैंगन और गोभी लाया

____

(ग) बाप रे आज तो बहुत गरमी है

____

(घ) बारिश में भीगता कूदता फाँदता बंदर फिर से उसी पेड़ पर आ बैठा

(ङ) अरे तुम तो बहुत अच्छे हो

(च) आपको किससे मिलना है

(छ) विज्ञान वरदान है या अभिशाप यह एक विवाद का विषय है

(ज) महाराज और उपाय ही क्या है

3. निम्नलिखित विराम चिह्नों के सामने सही नाम लिखिए—

(–) ______ (।) ______

(?) ______ (!) ______

(,) ______ () ______

(॰) ______ (" ") ______

(-) ______ (;) ______

4. निम्नलिखित गद्यांशों में विराम चिह्नों का प्रयोग करके पुनः लिखिए—

(क) लोकतंत्र का अर्थ है जनता द्वारा जनता का जनता के लिए शासन इसे प्रजातंत्र भी कहते हैं इस शासन व्यवस्था में सम्पूर्ण जनता के सुखों का ध्यान रखा जाता है इसमें जनता के प्रतिनिधियों के हाथ में शासन रहता है

(ख) माधवी कल अपनी दादी के साथ पार्क में घूमने गई वहाँ चंपा चमेली जूही गुलाब और कनेर के फूल खिले थे उन पर मँडराती तितलियों को देखकर उसने पूछा दादी ये क्या हैं दादी ने बताया बेटी ये तितलियाँ हैं माधवी बोली वाह ये तो बड़ी सुंदर हैं

13

पर्यायवाची शब्द

(Synonyms)

परिभाषा–समान अर्थ देने वाले शब्दों को समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहा जाता है।

नीचे कुछ पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं। इन्हें याद कीजिए।

शब्द	पर्यायवाची शब्द
चतुर	निपुण, प्रवीण, कौशल
भँवरा	भ्रमर, अलि, मधुप, मिलिंद
सिंह	केसरी, केहरि, वनराज, मृगपति
अग्नि	आग, अनल, पावक, ज्वाला
आँख	चक्षु, नयन, नेत्र, लोचन
इच्छा	चाह, लालसा, अभिलाषा, कामना
समुद्र	जलधि, सागर, सिंधु, उदधि
पानी	जल, नीर, सलिल, अंबु, तोय, पय
कपड़ा	वस्त्र, वसन, पट, अंबर
घर	गृह, आवास, सदन, भवन
पार्वती	गिरिजा, गौरी, दक्षा, उमा
शिव	नीलकंठ, महादेव, कैलाशपति, शंकर
वानर	बंदर, कपि, मर्कट
सरस्वती	शारदा, कमला, भारती
अन्न	अनाज, नाज, धान्य, खाद्य
असुर	दैत्य, दानव, दनुज, राक्षस
चंद्र	निशाकर, इंद्र, सुधाकर, सोम
उन्नति	उत्कर्ष, उत्थान, विकास, प्रगति
कोमल	नरम, मृदु, मुलायम, सुकुमार
वृक्ष	पेड़, तरु, द्रुम, पादप, विटप
दूध	दुग्ध, पय, क्षीर, गोरस
आनंद	हर्ष, उल्लास, प्रसन्नता, खुशी

शब्द	पर्यायवाची शब्द
जंगल	वन, कानन, अरण्य, विपिन
पक्षी	खग, विहग, नभचर, पखेरू
हाथी	कुंजर, गज, हस्ती, मतंग
अमृत	सुधा, अमिय, सोम, पीयूष
इंद्र	पुरंदर, सुरेश, सुरपति, वज्रधर
अंग	हिस्सा, अंश, भाग, अवयव
अंधेरा	अंधकार, तम, तिमिर
फूल	सुमन, प्रसून, पुष्प, कुसुम
सोना	स्वर्ण, कनक, हेम, सुवर्ण
पति	स्वामी, ईश, धनी, गृहपति
गंगा	भागीरथी, सुरसरि, जाह्नवी, मंदाकिनी
उद्यान	वाटिका, बाग, बगीचा, उपवन
ब्राह्मण	पंडित, द्विज, विप्र, भूदेव
आम	आम्र, सहकार, रसाल, प्रियंबु
तन	शरीर, देह, काया, कलेवर
रात	निशा, रैन, रात्रि, रजनी
किरण	मरीचि, कर, मयूख, अंशु
सूर्य	रवि, भास्कर, आदित्य, दिनेश
बिजली	दामिनी, चपला, चंचला, सौदामिनी
स्त्री	नारी, महिला, औरत, कामिनी
गणेश	गणपति, गजानन, विनायक, लंबोदर
पृथ्वी	भू, भूमि, धरा, धरती, वसुधा, अवनि

अभ्यास
Exercise

1. **पर्यायवाची या समानार्थी शब्द क्या हैं?**

____

____

2. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—**

(क) मुझे ____________ चाहिए। *(पानी)*
(ख) ____________ हम सबकी माता है। *(पृथ्वी)*
(ग) ____________ की दहाड़ से पूरा ____________ हिल गया। *(सिंह, जंगल)*
(घ) आज ____________ बहुत तेज़ है। *(सूर्य)*
(ङ) सारा तालाब ____________ के फूलों से भरा था। *(कमल)*
(च) रवीना की ____________ बहुत ही सुंदर हैं। *(चक्षु)*
(छ) मेरे ____________ के सामने एक पार्क है। *(गृह)*
(ज) तारे ____________ में चमक रहे हैं। *(आसमान)*

3. **नीचे लिखे शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए—**

(क) कपड़ा ____________ ____________ ____________
(ख) गणेश ____________ ____________ ____________
(ग) सोना ____________ ____________ ____________
(घ) बिजली ____________ ____________ ____________
(ङ) ब्राह्मण ____________ ____________ ____________
(च) सरस्वती ____________ ____________ ____________
(छ) वृक्ष ____________ ____________ ____________
(ज) पृथ्वी ____________ ____________ ____________

4. **रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पुनः लिखिए—**

(क) <u>प्रातः</u> होने पर सूर्य निकलता है।

____

(ख) <u>जंगल</u> में अनेक <u>जानवर</u> होते हैं।

____

(ग) <u>राजा</u> ने गरीबों को कपड़े दान में दिए।

____

(घ) हमें <u>पृथ्वी</u> पर <u>वृक्ष</u> लगाने चाहिए।

____

(ङ) <u>आसमान</u> में बादल छाए हुए हैं।

____

14 विलोम शब्द
(Antonyms)

परिभाषा–जो शब्द किसी शब्द का उल्टा या विपरीत अर्थ बताते हैं, उन्हें 'विलोम शब्द' या 'विपरीतार्थक शब्द' कहते हैं।

नीचे कुछ विलोम शब्द दिए गए हैं। इन्हें याद कीजिए।

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
आशा	निराशा	आस्तिक	नास्तिक
आदान	प्रदान	सुपुत्र	कुपुत्र
चल	अचल	कोमल	कठोर
न्याय	अन्याय	पसंद	नापसंद
बालिग	नाबालिग	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
सद्गुण	दुर्गुण	पूर्व	पश्चात्
मित्र	शत्रु	निंदा	स्तुति
आकाश	पाताल	मान	अपमान
सज्जन	दुर्जन	सुमति	कुमति
धनी	निर्धन	एक	अनेक
आदर	अनादर	नया	पुराना
मोटा	पतला	आयात	निर्यात
आय	व्यय	शांत	अशांत
धर्म	अधर्म	निडर	डरपोक
लायक	नालायक	गहरा	उथला
निंदा	प्रशंसा	आदि	अंत
उचित	अनुचित	मधुर	कटु
बंधन	मुक्त	शुभ	अशुभ
स्वतंत्र	परतंत्र	रक्षक	भक्षक
सौभाग्य	दुर्भाग्य	हानि	लाभ
उदय	अस्त	बाह्य	आंतरिक
निम्न	उच्च	हार	जीत
जड़	चेतन	स्वर्ग	नरक

शब्द	विलोम
गुरु	शिष्य
रुचि	अरुचि
नगद	उधार
पाप	पुण्य
यथार्थ	काल्पनिक
प्रेम	घृणा
उपेक्षा	अपेक्षा
आरोप	प्रत्यारोप
स्वच्छ	अस्वच्छ
उत्कर्ष	अपकर्ष
साधारण	असाधारण
संयोग	वियोग
चतुर	मूर्ख
साकार	निराकार
संभव	असंभव
भद्र	अभद्र
राग	द्वेष
अग्रज	अनुज
अबोध	सुबोध
सूक्ष्म	स्थूल
देव	दानव
मूक	वाचाल
शाश्वत	नश्वर
नीरसता	कोलाहल
कर्कश	कोमल
भोगी	योगी
सजीव	निर्जीव
स्वाधीन	पराधीन
उत्तर	दक्षिण
ज्ञान	अज्ञान

शब्द	विलोम
अधिक	कम
स्वदेश	विदेश
सक्रिय	निष्क्रिय
जान	अंजान
लौकिक	अलौकिक
संधि	विच्छेद
ऐच्छिक	अनिवार्य
उष्ण	शीत
सभ्य	असभ्य
अनुराग	विराग
राजा	रंक
हर्ष	शोक
उपलब्ध	अनुपलब्ध
जल	थल
आकर्षण	विकर्षण
स्थापित	विस्थापित
सलज्ज	निर्लज्ज
शिक्षा	अशिक्षा
ठोस	तरल
अमृत	विष
इष्ट	अनिष्ट
प्राचीन	नवीन
कीर्ति	अपकीर्ति
निवृत्ति	प्रवृत्ति
वादी	प्रतिवादी
लिखित	मौखिक
हिंसा	अहिंसा
उत्थान	पतन
अंदर	बाहर
विरोध	समर्थन

अभ्यास
EXERCISE

1. निम्नलिखित शब्दों के सही विलोम शब्द पर गोला (◯) बनाइए—

(क)	उपयोग	–	अनुपयोग	दुरुपयोग	सदुपयोग
(ख)	नया	–	नवीन	पुराना	अनया
(ग)	चल	–	अचल	सचल	दुचल
(घ)	सरल	–	असरल	बुरा	कठिन
(ङ)	मान	–	अपमान	सम्मान	अमान
(च)	निंदा	–	अनिंदा	सनिंदा	स्तुति

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

(क) मित्र ____________ (ख) आयात ____________

(ग) सौभाग्य ____________ (घ) रक्षक ____________

(ङ) राग ____________ (च) निवृत्ति ____________

(छ) सूक्ष्म ____________ (ज) उष्ण ____________

(झ) वादी ____________ (ञ) यथार्थ ____________

(ट) नीरसता ____________ (ठ) हिंसा ____________

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति वाक्य में आए रंगीन शब्दों के विलोम शब्द से करिए—

(क) हमें सभी जीवों से प्रेम करना चाहिए, ____________ नहीं।

(ख) मेरा घर उत्तर दिशा में है, पर मेरा विद्यालय ____________ दिशा में है।

(ग) सही शब्द का प्रयोग न करने से अर्थ का ____________ हो जाता है।

(घ) युद्ध में पांडवों की विजय और कौरवों की ____________ हुई।

(ङ) मेघा परीक्षा में उत्तीर्ण हो गई परंतु स्वाति ____________ हो गई।

(च) व्यापार में विपिन को लाभ हुआ लेकिन मनोज को ____________ हुई।

4. नीचे दिए गए शब्दों से ऐसे वाक्य बनाइए जिनसे एक ही वाक्य में उनके विलोम शब्द भी आ जाएँ—

लिखित – ____________________________________

अग्रज – ____________________________________

उधार – ____________________________________

स्वतंत्र – ____________________________________

उत्तीर्ण – ____________________________________

स्वर्ग – ____________________________________

15

समश्रुति भिन्नार्थक शब्द

(Homophones)

सम = समान, श्रुति = सुनना, अर्थात् वे शब्द जो सुनने तथा लिखने में लगभग समान लगते हैं, किंतु उनके अर्थ बहुत भिन्न होते हैं, 'समश्रुति भिन्नार्थक' शब्द कहलाते हैं।

नीचे कुछ समश्रुति भिन्नार्थक शब्द दिए गए हैं। इन्हें याद कीजिए।

शब्द	अर्थ
शस्त्र	हथियार
शास्त्र	ग्रंथ
गृह	घर
ग्रह	नक्षत्र
अन्न	अनाज
अन्य	दूसरा
आहुत	यज्ञ
आहूत	निमंत्रण
चूर	चूर्ण
चूड़	चोटी
तरणि	सूर्य
तरणी	नौका
हँस	हँसना
हंस	एक पक्षी
पवन	हवा
पावन	पवित्र
दिन	दिवस
दीन	गरीब
अंत	समाप्त
अंत्य	नीच

शब्द	अर्थ
कर्म	काम
क्रम	सिलसिला
पूछ	पूछना
पूँछ	किसी पशु की दुम
चिर	प्राचीन
चीर	वस्त्र
अलि	भ्रमर
अली	सखी
पानी	जल
पाणि	हाथ
प्रणय	प्रेम
परिणय	विवाह
काट	काटना
काठ	लकड़ी
फन	साँप का फन
फन	गला
कलि	कलयुग
कली	बिना खिला फूल
बदन	शरीर
वदन	मुख

शब्द	अर्थ
ओर	तरफ
और	तथा
द्रव	तरल पदार्थ
द्रव्य	धन
आसित	काला
आशित	खोया
वृत्त	गोला
व्रत	उपवास
वसन	कपड़ा
व्यसन	बुरी आदत
सुधि	स्मृति
सुधी	बुद्धिमान
अनल	आग
अनिल	वायु
तरणि	सूर्य
तरणी	नौका
समान	बराबर
सामान	कोई वस्तु
सूत	धागा
सुत	बेटा

शब्द	अर्थ
धेनु	गाय
धनु	धनुष
ज़रा	बुढ़ापा
जरा	थोड़ा
अलि	भ्रमर
अली	सखी
आसन	बैठने के लिए वस्तु
आसन्न	निकट होना
लक्ष	लाख
लक्ष्य	उद्देश्य
मात्र	केवल
मातृ	माता
प्रधान	मुख्य
प्रदान	देना
शर	तीर
सर	गतिशील
परिणाम	नतीजा
परिमाण	तोल
अविराम	लगातार
अभिराम	सुंदर

अभ्यास
EXERCISE

1. भिन्नार्थक शब्द किन्हें कहते हैं, परिभाषित कीजिए।

____

____

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए—

(क) अंत – ____________
अंत्य – ____________

(ख) कलि – ____________
कली – ____________

(ग) चूर – ______________________

चूड़ – ______________________

(घ) पानी – ______________________

पाणि – ______________________

(ङ) अलि – ______________________

अली – ______________________

(च) अविराम – ______________________

अभिराम – ______________________

(छ) वसन – ______________________

व्यसन – ______________________

(ज) प्रणय – ______________________

परिणय – ______________________

(झ) सूत – ______________________

सुत – ______________________

(ञ) कर्म – ______________________

क्रम – ______________________

3. दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) वसन – ____

व्यसन – ____

(ख) अन्न – ____

अन्य – ____

(ग) बदन – ____

वदन – ____

(घ) हंस – ____

हँस – ____

(ङ) तरणि – ____

तरणी – ____

(च) आहुत – ____

आहूत – ____

(छ) शर – ____

सर – ____

(ज) वस्तु – ____

वास्तु – ____

(झ) पानी – ____

पाणि – ____

(ञ) चिर – ____

चीर – ____

16

अनेकार्थी शब्द
(Words With Various Meanings)

परिभाषा–जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं; जैसे–

1. नग बहुत ऊँचा है।
2. हीरा एक सुंदर नग है।

उपरोक्त वाक्यों में 'नग' शब्द का अलग-अलग अर्थ है।

इसी प्रकार के कुछ अनेकार्थी शब्द नीचे दिए गए हैं। इन्हें याद कीजिए।

शब्द	अनेकार्थी शब्द
घट	घड़ा, कम, देह
हरि	विष्णु, हाथी, वानर, यमराज
अक्षर	वर्ण, मोक्ष, ईश्वर, आकाश
अर्थ	धन, ऐश्वर्य, मतलब
गुण	कौशल, रस्सी, स्वभाव
पतंग	सूर्य, क्रीड़ी, आकाश में उड़ने वाली पतंग
अज	शिव, ब्रह्मा, बकरा
मधु	शहद, मदिरा, बसंत ऋतु, अमृत
मत	राय, वोट, मना करना, संप्रदाय
चर	पक्षी, चलने वाला, जासूस
पृष्ठ	पीछे का भाग, पीठ, तल
पट	वस्त्र, पर्दा, चित्रपट, कपाट
गति	दशा, चाल, हाल
गुज	खूबी, स्वभाव, रस्सी
राशि	धन, समूह, धनु, मेष, कर्म राशियाँ

शब्द	अनेकार्थी शब्द
घन	बादल, हथौड़ा
द्विज	चंद्रमा, पक्षी, दाँत, ब्राह्मण
कनक	सोना, धतूरा, गेहूँ
कर्ण	कान, कुंती का पुत्र
अरुण	लाल, सूर्य का सारथी
काल	मृत्यु, यमराज, समय
फल	लाभ, नतीजा, गुण, बाण, प्रयोजन
पत्र	चिट्ठी, पत्ता, पंख
पद	पैर, चरण, दर्जा, उपाधि
गुरु	शिक्षक, बड़ा, भारी
दल	समूह, पत्ता, पक्ष, सेना
योग	जोड़, मुक्ति, उपाय, ध्यान
अंतर	अवधि, अवसर
तारा	नेत्रों की पुतली, नक्षत्र, बालि की पत्नी
तात	पिता, भाई, मित्र

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए—

(क) काल – ______________________

(ख) दल – ______________________

(ग) पृष्ठ – ______________________

(घ) मत – ______________________

(ङ) तात – ______________________

(च) योग – ______________________

(छ) अंतर – ______________________

(ज) अरुण – ______________________

(झ) गुज – ______________________

(ञ) कर्ण – ______________________

(ट) पद – ______________________

(ठ) गति – ______________________

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ के अनुसार वाक्य बनाइए—

(क) अर्थ – ______________________

(ख) चर – ______________________

(ग) कनक – ______________________

(घ) गुरु – ______________________

(ङ) तात – ______________________

(च) हरि – ______________________

(छ) योग – ______________________

(ज) द्विज – ______________________

(झ) मधु – ______________________

(ञ) राशि – ______________________

(ट) अंतर – ______________________

(ठ) पतंग – ______________________

17

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(One Word Substitution)

यदि कम से कम शब्दों में बात कही जाए तो वह अधिक प्रभावशाली होती है। भावों को संक्षेप में व्यक्त करने वाले शब्द सभी भाषाओं में पाए जाते हैं तथा इससे भाषा सुंदर हो जाती है। हिंदी में ऐसे अनेक शब्द हैं। ऐसे ही कुछ 'अनेक शब्दों के लिए एक शब्द' यहाँ दिए जा रहे हैं–

अनेक शब्द	एक शब्द	अनेक शब्द	एक शब्द
संपूर्ण जीवन तक	आजीवन	एक ही समय में रहने वाला	समसामयिक
जिसे भुलाया न जा सके	अविस्मरणीय	जो दिखाई न दे	अदृश्य
जो सामने हो	प्रत्यक्ष	जो सामने न हो	परोक्ष
दूसरे देश से मँगाया जाना	आयात	दूसरे देश को भेजा जाना	निर्यात
जो प्रशंसा के योग्य हो	प्रशंसनीय	जो दूर की सोचे	दूरदर्शी
कम खर्च करने वाला	मितव्ययी	जो अपने काम में कुशल हो	कार्यकुशल
सौ वर्षों का समूह	शताब्दी	जिस पर मुकदमा चल रहा हो	अभियुक्त
जिसके नीचे रेखा खींची हो	रेखांकित	जो जन्म से अंधा हो	जन्मांध
जो छिपाने योग्य हो	गोपनीय	जो कानून के विरुद्ध हो	अवैध
जो हँसी-मजाक से दूसरों का मनोरंजन करे	विदूषक	जिसकी आयु बड़ी लंबी हो	दीर्घायु
जिसमें शक्ति न हो	अशक्त	जो साथ पढ़ता हो	सहपाठी
पत्तों से बनी हुई कुटिया	पर्णकुटी	सदा रहने वाला	शाश्वत
जिसकी पत्नी मर चुकी हो	विधुर	किसी का अनुसरण करने वाला	अनुयायी
नई चीज़ की खोज करने वाला	आविष्कारक	जिसका इलाज न हो सके	असाध्य
कम खर्च करने वाला	मितव्ययी	जो अपने काम में कुशल हो	कार्यकुशल

अभ्यास
Exercise

1. **निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए—**

(क) जो पहले न हुआ हो – ____________

(ख) संपूर्ण जीवन तक – ____________

(ग) जो दूर की सोचे – ______________

(घ) सदा रहने वाला – ______________

(ङ) जिसमें शक्ति न हो – ______________

(च) जिसे भुलाया न जा सके – ______________

(छ) जो छिपाने योग्य हो – ______________

(ज) पत्तों से बनी हुई कुटिया – ______________

2. रंगीन छपे अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखते हुए वाक्य पुनः लिखिए—

(क) आगरा का ताजमहल प्रशंसा के योग्य है।

____

(ख) रवि काम से जी चुराता है।

____

(ग) ज़मीदार के हृदय में जरा भी दया न थी।

____

(घ) बड़े शहरों में आकाश से छूती इमारतें बन गई हैं।

____

(ङ) चाणक्य दूर की सोचते थे।

____

(च) दीवाली प्रत्येक वर्ष धूम-धाम से मनाई जाती है।

____

(छ) शुभम मीठा बोलता है।

____

(ज) स्वाति मेरी बातों का अनुसरण करती है।

____

3. निम्नलिखित शब्दों के लिए वाक्यांश लिखिए—

(क) असाध्य ______________

(ख) परोक्ष ______________

(ग) अभियुक्त ______________

(घ) आयात ______________

(ङ) दीर्घायु ______________

18 मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
(Idioms and Proverbs)

मुहावरे (Idioms)

परिभाषा–जिस वाक्यांश का सामान्य अर्थ न लेकर कोई विशेष अर्थ लिया जाता है, उसे 'मुहावरा' कहते हैं। इसका अर्थ प्रत्यक्ष अर्थ से विलक्षण होता है।

मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना	चोर पुलिस की आँखों में धूल झोंककर भाग गया।
अंग-अंग टूटना	शरीर में दर्द होना	शादी की भागदौड़ में मेरा अंग-अंग टूटने लगा है।
आँखें बिछाना	आदर-सत्कार करना	गुरु जी के सम्मान में समस्त परिवार ने आँखें बिछा दीं।
अहंकार का पुतला	बहुत घमंडी	नमन तो अहंकार का पुतला है।
अँगूठा दिखाना	साफ़-साफ़ मना करना	बेटे द्वारा रुपए माँगने पर बेटे ने अँगूठा दिखा दिया।
दिन-रात एक करना	बहुत मेहनत करना	दीपक ने यह परीक्षा पास करने के लिए दिन-रात एक कर दिए।
कान पर जूँ तक न रेंगना	बिल्कुल ध्यान न देना	दादी के समझाने पर भी राहुल के कान पर जूँ तक न रेंगी।
आँखों का तारा	बहुत प्यारा	आरव सबकी आँखों का तारा है।
आग-बबूला होना	बहुत क्रोध करना	दर्ज़ी ने समय पर सूट नहीं सिलकर दिया तो शालिनी आग-बबूला हो गई।
अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि खराब होना	यश की अक्ल पर पत्थर पड़ गए जो यहाँ से चला गया।
आग में घी डालना	गुस्से को और भड़काना	आप आग में घी मत डालिए, इस बात का फैसला हो जाने दें।
अपना उल्लू सीधा करना	अपना काम निकालना	ऊँची कुर्सी पर बैठे अफ़सर जनता से अपना उल्लू सीधा करते हैं।

मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
कलेजे पर साँप लोटना	ईर्ष्या करना	सौम्य को प्रथम आया देख राहुल के कलेजे पर साँप लोट गए।
बाल-बाल बचना	मुश्किल से बचना	कल स्कूल की बस पलट गई परंतु सभी बाल-बाल बच गए।
भीगी बिल्ली बनना	डरा-डरा रहना	वह मास्टर जी के सामने भीगी बिल्ली बन जाता है।

कुछ अन्य मुहावरे और उनके अर्थ याद कीजिए।

1. अपने पैरों पर खड़ा होना – आत्मनिर्भर होना
2. श्री गणेश करना – आरंभ करना
3. टस से मस न होना – जरा भी इधर-उधर न होना
4. घोड़े बेचकर सोना – निश्चिंत होकर सोना
5. रोड़े अटकाना – बाधा डालना
6. हवा से बातें करना – बहुत तेज़ भागना
7. पगड़ी उछालना – अपमानित करना
8. दाँत खट्टे करना – बुरी तरह हराना
9. वीर गति को प्राप्त होना – युद्ध में लड़ते-लड़ते मरना
10. छाती पर मूँग दलना – अधिक परेशान करना
11. नानी याद आना – कष्ट का अनुभव होना
12. कुत्ते की मौत मरना – बुरी तरह से मरना
13. घी के दीये जलाना – खुशियाँ मनाना
14. ऊँची दुकान फीके पकवान – केवल दिखावा मात्र
15. टका-सा जवाब देना – साफ इंकार कर देना

लोकोक्तियाँ (Proverbs)

लोकोक्ति को 'कहावत' भी कहते हैं। यह पूरे वाक्य में समान होती है और साधारण अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ प्रकट करती है।

1. यह मुँह और मसूर की दाल – हैसियत से बढ़कर चाहना।
2. तू डाल-डाल मैं पात-पात – दोनों का एक से बढ़कर चालाक होना।
3. सिर मुँडाते ही ओले पड़ना – किसी काम को शुरू करते ही विघ्न पड़ना।
4. डूबते को तिनके का सहारा – संकट में थोड़ी सी सहायता।
5. न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी – विवाद को जड़ से ही नष्ट कर देना।
6. आगे कुआँ,पीछे खाई – दोनों तरफ से मुसीबत।
7. मरता क्या न करता – मुश्किल में पड़ा आदमी सब कुछ करने को तैयार हो जाता है।
8. कहाँ राजा भोज कहाँ गँगू तेली – असमान व्यक्तियों की तुलना।
9. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे – दोषी व्यक्ति निर्दोष को डाँटता है।
10. ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया – भाग्य की विचित्रता।

11. अटका बनिया दे उधार – मजबूर और दबा हुआ आदमी सब बातें मान लेता है।
12. मान न मान मैं तेरा मेहमान – जबरदस्ती गले पड़ना।
13. अंधों में काना राजा – मूर्खों में थोड़े ज्ञान वाला व्यक्ति आदर पाता है।
14. एक अनार सौ बीमार – जरूरत ज्यादा चीज़ कम।
15. ऊँची दुकान फीका पकवान – दिखना अधिक वास्तविकता कम।
16. अंधों में काना राजा – मूर्खों में थोड़े ज्ञान वाला व्यक्ति आदर पाता है।

अभ्यास Exercise

1. मुहावरों तथा लोकोक्तियों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

____

____

____

____

2. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) अपना उल्लू सीधा करना – ______________

____

(ख) आँखों में धूल झोंकना – ______________

____

(ग) श्री गणेश करना – ______________

____

(घ) घोड़े बेचकर सोना – ______________

____

(ङ) टस से मस न होना – ______________

____

(च) नानी याद आना – ______________

____

3. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

(क) तू डाल-डाल मैं पात-पात ______________

(ख) अटका बनिया दे उधार ______________

(ग) आगे कुआँ, पीछे खाई ______________

(घ) डूबते को तिनके का सहारा ______________

(ङ) अंधे के हाथ बटेर लगना ______________

(च) ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया ______________

19

पत्र-लेखन
(Letter-Writing)

पत्र-लेखन पारस्परिक कुशल क्षेम जानने का सशक्त माध्यम है। इसके द्वारा हम अपने परिवार तथा मित्रों एवं परिचितों को लिखित रूप में संदेश भेजते हैं तथा उनके द्वारा भेजे गए संदेशों को प्राप्त करते हैं। इन पत्रों के आदान-प्रदान में भारतीय डाक-तार विभाग हमारी मदद करता है।

पत्र मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं–

1. घरेलू या सामाजिक पत्र : अपने सगे-संबंधियों, मित्रों आदि को उनकी कुशलता जानने, समाचार या निमंत्रण आदि भेजने के लिए लिखे जाने वाले पत्र 'घरेलू' या 'सामाजिक पत्र' कहलाते हैं।

2. व्यापारिक पत्र : व्यापार या उद्योग के लिए लिखे जाने वाले पत्र 'व्यापारिक पत्र' कहलाते हैं।

3. सरकारी पत्र/प्रार्थना पत्र : सरकारी पत्र सरकारी कार्यों के लिए लिखे जाते हैं, जबकि प्रार्थना पत्र में निवेदन अथवा प्रार्थना की जाती है।

1. शुल्क माफी के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
श्री बी॰के॰ माहेश्वरी इंटर कॉलेज,
मेरठ।

विषय : शुल्क माफी के लिए प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा पाँचवी-सी का छात्र हूँ। मेरे पिताजी एक बड़ी कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्य कर रहे थे। परंतु दो महीने पहले दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। मेरे दो और भाई-बहन हैं। माताजी घर का खर्चा बड़ी मुश्किल से चला रही हैं। घर की आर्थिक स्थिति मंदी होने के कारण माताजी मेरा शुल्क देने में असमर्थ हैं। मैंने विद्यालय में बहुत सारे पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

आपसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि मेरा शुल्क माफ करने की कृपा करें। मैं इसके लिए सदैव आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
____
कक्षा–________

2. अंतर्विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पाने पर सखी को बधाई पत्र

बी-20, तिलक नगर, नई दिल्ली।
18 अक्टूबर, 20...
प्रिय रवीना,
सप्रेम नमस्कार।

अंतर्विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बहुत-बहुत बधाई। मैं पहले से ही जानती थी कि यह पुरस्कार तुम्हीं जीतोगी। जब-जब मैं विद्यालय की प्रतियोगिता में तुम्हें बोलते हुए सुनती थी, तो मुझे हमेशा ऐसा लगता था कि पूरी दिल्ली के विद्यालयों में तुमसे अच्छा वाद-विवाद कोई नहीं कर सकता। मुझे आशा है कि तुम अंतर्राज्यीय पुरस्कार भी जीतकर दिखाओगी। एक बार फिर मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई।

तुम्हारी सखी
माधुरी

3. पिताजी को रुपये भेजने के लिए पत्र

____
____
____

दिनांक : ________
पूज्य पिताजी,
सादर चरण स्पर्श।

कुशलोपरांत विदित है कि आपका पत्र मिला। परिवार की जानकारी मिल जाने पर खुशी हुई। इन दिनों मैं वार्षिक परीक्षा की तैयारी में लगा हुआ हूँ। परीक्षा की तैयारी से संबंधित मुझे कुछ विषयों की किताबें खरीदनी हैं। अतः आपसे निवेदन है कि आप दो हज़ार रुपये का मनीऑर्डर शीघ्र भेजने की कृपा करें। पूज्य माताजी को चरण स्पर्श व मिन्नी को बहुत-बहुत प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
____

4. स्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
राजकीय हाई स्कूल,
गाजियाबाद।

विषय : स्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्ति के लिए प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मेरे पिताजी का दिल्ली से मेरठ स्थानांतरण हो गया है। अतः मैं यहाँ पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ हूँ मुझे मेरठ के स्कूल में दाखिला लेने के लिए स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है। आपसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि जल्दी से जल्दी मुझे स्थानांतरण प्रमाण-पत्र देने की कृपा करें।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
____

कक्षा–_______

5. पुस्तक विक्रेता को पुस्तकें मँगवाने के लिए पत्र

सी-44, काशगंज, लखनऊ।
8 जून, 20______
सेवा में,
प्रबंधक महोदय,
ए.सी. पब्लिशिंग हाउस,
करोल बाग, नई दिल्ली।
महोदय,

कृपया निम्नलिखित पुस्तकें उचित कमीशन काटकर मेरे पते पर वी.पी.पी. द्वारा यथाशीघ्र भेजने का कष्ट करें। पुस्तकें साफ़-सुथरी और नए संस्करण की होनी चाहिए। अग्रिम राशि के रूप में मैं पाँच सौ रुपए भेज रही हूँ।

1. हिंदी व्याकरण *एक प्रति*
2. संक्षिप्त रामायण *एक प्रति*
3. हिंदी पाठ्य-पुस्तिका भाग-5 *एक प्रति*

धन्यवाद।

भवदीया
महक चड्ढा

अभ्यास Exercise

1. अपने प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखकर अपनी कक्षा के दूसरे वर्ग के साथ मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच खेलने की अनुमति माँगिए।
2. तीन दिन के अवकाश हेतु अपने प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।
3. मित्र को जन्मदिन का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए।
4. अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य अधिकारी को मौहल्ले में व्याप्त गंदगी के बारे में एक शिकायती पत्र लिखिए।
5. बड़े भाई के विवाह में जाने के लिए अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

20

अपठित गद्यांश

(Unseen Passage)

'अपठित गद्यांश' का अर्थ है–गद्य का वह अंश जो पढ़ा हुआ न हो। अपठित गद्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए निम्नलिखित नियमों की जानकारी आवश्यक है–

1. दिए हुए अवतरण को मन-ही-मन दो-तीन बार ध्यान से पढ़कर उसके अर्थ को समझना चाहिए। इसके पश्चात् पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अवतरण से ढूँढ़ने चाहिए।
2. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही लिखना चाहिए। आपकी ओर से किसी प्रकार की आलोचना या व्याख्या नहीं देनी चाहिए।
3. उत्तर का प्रत्येक वाक्य शुद्ध, पूर्ण तथा अर्थयुक्त होना चाहिए।
4. लिखने के बाद सभी प्रश्नों के उत्तर दोहरा लेने चाहिए। जहाँ-जहाँ अशुद्धियाँ रह गई हों, उन्हें सुधार लेना चाहिए।
5. गद्यांश का शीर्षक संक्षिप्त होना चाहिए। शीर्षक से ही गद्यांश का भाव प्रकट होता है।

उदाहरण :

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

सुबह और शाम व्यायाम का सबसे अच्छा समय है। शरीर स्वस्थ रहने पर ही व्यायाम करना चाहिए। रोगी के लिए केवल घूमना उचित है। व्यायाम करते समय हमें कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। अनुचित ढंग से किया गया व्यायाम हानिकारक होता है। योगासन हमेशा प्रशिक्षण लेकर ही करना चाहिए। व्यायाम अपनी क्षमता के अनुसार ही करना चाहिए। व्यायाम के पश्चात् तुरंत स्नान नहीं करना चाहिए। सही लाभ प्राप्त करने के लिए व्यायाम हमेशा खुली जगह पर करना चाहिए।

प्रश्न 1. व्यायाम करने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है?

उत्तर : सुबह और शाम।

प्रश्न 2. अनुचित ढंग से व्यायाम करने पर क्या होता है?

उत्तर : लाभ की जगह हानि होती है।

प्रश्न 3. व्यायाम करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर : व्यायाम सुबह या शाम करना चाहिए। योगासन प्रशिक्षण लेकर करना चाहिए। व्यायाम के पश्चात् तुरंत स्नान नहीं करना चाहिए। अपनी क्षमता के अनुसार ही व्यायाम करना चाहिए।

प्रश्न 4. 'सुबह' और 'शरीर' शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

उत्तर :
- सुबह – प्रातः, सवेरा
- शरीर – तन, काया

I

ओणम के दिन हर घर के आँगन में रंग-बिरंगे फूलों से रंगोली सजाई जाती है। श्रावण मास में मनाया जाने वाला यह उत्सव पूरे दस दिन तक चलता है। प्रत्येक दिन रंगोली के आकार और फूलों की संख्या तथा विविधता में वृद्धि होती जाती है। ओणम के दिन बनाई जाने वाली बड़ी रंगोली को 'पक्कम' कहा जाता है। ओणम के दिन विशेष प्रीतिभोज 'साद्य' का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर तरह-तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। माना जाता है कि महाबलि इस भोजन को देखकर अत्यंत प्रसन्न और संतुष्ट होते हैं। महाबलि की याद में मनाया जाने वाला यह त्योहार केरल का मुख्य त्योहार माना जाता है। बच्चे-बूढ़े सभी इसे हर्षोल्लास से मनाते हैं।

प्रश्न 1. ओणम की 'रंगोली' की क्या विशेषता है?

उत्तर : ____

प्रश्न 2. 'पक्कम' किसे कहते हैं?

उत्तर : ____

प्रश्न 3. ओणम कितने दिनों तक तथा किसकी याद में मनाया जाता है?

उत्तर : ____

प्रश्न 4. लोग किस तरह से महाबलि को प्रसन्न करते हैं?

उत्तर : ____

प्रश्न 5. प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक शीर्षक लिखिए।

उत्तर : ____

प्रश्न 6. आयोजन, व्यंजन, उत्सव-के समानार्थक शब्द लिखिए।

उत्तर : ____

II

भगवान तो सर्व-समर्थ है, वह तो स्वयं सबकी सेवा करता रहता है। क्या हम भगवान की कोई सेवा कर सकते हैं? उसके किसी काम आ सकते हैं? हाँ, हम उसके काम आ सकते हैं। यह दुनिया उसने बनाई है, इसकी सेवा में वह लगा रहता है, यदि हम किसी जरूरतमंद की सही जरूरत को पूरा कर सकते हैं, तो तुरंत करें, अपने से किसी भी तरह कमजोर की मदद कर सकते हैं तो अवश्य करें, संकट में पड़े आदमी को उबार सकते हैं तो पूरी कोशिश करें। भगवान दिलों में रहता है। हम लोगों के दिलों तक पहुँचने की ईमानदारी से कोशिश करें। इस तरह हम सबकी सेवा करने वाले भगवान की सेवा कर सकते हैं, उसके काम आ सकते हैं।

प्रश्न 1. भगवान क्या करता है?

उत्तर : ____

प्रश्न 2. अपने से किसी भी तरह कमजोर का क्या अभिप्राय है?

उत्तर : ____

प्रश्न 3. भगवान कहाँ रहता है?

उत्तर : ____

प्रश्न 4. हम लोगों के दिलों तक कैसे पहुँच सकते हैं?

उत्तर : ________________

III

विज्ञान शब्द का अर्थ है–किसी विषय में विशेष ज्ञान प्राप्त करना। इसी जिज्ञासा के कारण उसने पानी, हवा, पृथ्वी, आकाश तथा अन्य तत्वों की गहराई तक जाने का प्रयास किया है। जैसे-जैसे खोज करता गया नई शक्तियों के बारे में पता चलता रहा। खोज करते समय मानव पत्थर के जमाने से आज के वैज्ञानिक युग तक पहुँच गया है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर : ________________

प्रश्न 2. विज्ञान का क्या अर्थ है?

उत्तर : ________________

प्रश्न 3. विज्ञान की जिज्ञासा किसे खोजने की हुई?

उत्तर : ________________

प्रश्न 4. मानव विज्ञान के कारण कहाँ तक पहुँच गया है?

उत्तर : ________________

IV

दस गीदड़ों की अपेक्षा एक सिंह अच्छा है। सिंह, सिंह है और गीदड़, गीदड़। यही स्थिति किसी परिवार में उन सदस्यों की होती है जिनकी संख्या आवश्यकता से अधिक हो। न भरपेट भोजन, न तन ढकने के लिए कपड़ा। न अच्छी शिक्षा, न मनचाहा रोजगार। रात की नींद और दिन का चैन गायब हो जाता है। बार-बार दूसरों पर निर्भर रहने की मजबूरी। सम्मान और प्रतिष्ठा उस परिवार के लिए सपने की बात होती है। रात-दिन कलह की हुआँ-हुआँ!

प्रश्न 1. गद्यांश में सिंह और गीदड़ की तुलना किससे की गई है?

उत्तर : ________________

प्रश्न 2. किस परिवार के बच्चों का पालन-पोषण और शिक्षा ठीक से नहीं हो पाती?

उत्तर : ________________

प्रश्न 3. अधिक सदस्यों वाले परिवार का घरेलू वातावरण कैसा रहता है?

उत्तर : ________________

प्रश्न 4. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर : ________________

21

निबंध-लेखन
(Essay-Writing)

किसी विषय पर अपने विचारों को सुनियोजित ढंग से प्रस्तुत करना 'निबंध' कहलाता है। निबंध लेखन बच्चों की लेखन-क्षमता और सृजनात्मकता को बढ़ाने का बहुत अच्छा साधन है।

निबंध के तीन भाग होते हैं–

1. प्रस्तावना या भूमिका : निबंध जिस विषय पर लिखा जाये उसे तीन-चार वाक्यों में सारगर्भित ढंग से प्रस्तावना से शुरू किया जाता है। इसे ही 'भूमिका' कहते हैं।

2. विषय-वस्तु या कथावस्तु : यह निबंध का प्रमुख भाग है। इसमें निबंध के विषय में विस्तार से वर्णन किया जाता है। निबंध से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर भी आंशिक व पूर्ण रूप से प्रकाश डाला जाता है। विषय-वस्तु या कथावस्तु का विस्तार कक्षा स्तर के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

3. उपसंहार : निबंध के जिस शीर्षक पर चर्चा की जाती है, उसे निष्कर्ष के रूप में उपसंहार के द्वारा समाप्त किया जाता है। यह संक्षिप्त ही होना चाहिए। यह निबंध का अंतिम चरण है।

1. स्वास्थ्य और व्यायाम

स्वास्थ्य के बारे में कहा भी गया है–'पहला सुख निरोगी काया।' इसके अनुसार शरीर का निरोग तथा स्वस्थ रहना ही सबसे बड़ा सुख है, क्योंकि अस्वस्थ व्यक्ति न कोई काम कर सकता है और न ही संसार के सुखों को भोग सकता है। स्वस्थ शरीर के लिए जो व्यायाम करते हैं, वे सदैव स्वस्थ रहते हैं।

व्यायाम से अभिप्राय है–शरीर के अंगों का समुचित विकास। अतः व्यायाम करने से हाथ, पैर और शरीर के सभी अंग बलिष्ठ हो जाते हैं। शरीर में स्फूर्ति उत्पन्न हो जाती है। व्यायाम करने से पाचन-क्रिया भी ठीक रहती है, भूख समय से लगती है। इससे शरीर में रक्त का निर्माण भली-भाँति होता है तथा रक्त का संचार तीव्र गति से होता है। शरीर हृष्ट-पुष्ट तथा प्रसन्न रहता है।

व्यायाम अनेक प्रकार से किए जाते हैं; जैसे–दंड लगाना, मुग्दर चलाना, कुश्ती करना, दौड़ लगाना, जिमनास्टिक करना, घुड़सवारी करना आदि। यहाँ तक कि तैरना भी एक अच्छा व्यायाम है। आसन और प्राणायाम करना भी उत्तम प्रकार के व्यायाम हैं। खेल खेलने से भी व्यायाम होता है। मस्तिष्क के काम करने वालों के लिए प्रातः घूमना, सूर्य नमस्कार आदि व्यायाम लाभकारी हैं।

शरीर का प्रभाव मन पर भी पड़ता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है; अतः समय निकालकर हमें नित्य प्रति थोड़ा बहुत व्यायाम अवश्य करना चाहिए। प्रातःकाल खुले वातावरण में सैर करना भी व्यायाम का एक रूप है। इससे हमें प्रातः जल्दी उठने की आदत पड़ती है तथा हमारी दिनचर्या नियमित रूप से चलती है। सैर करना बिना मूल्य का अनमोल व्यायाम है।

2. ताजमहल की सैर

ताजमहल आगरा में यमुना के तट पर स्थित है। इस भवन को बनाने के लिए बीस हजार मजदूरों तथा उच्चकोटि के कारीगरों ने 20 वर्ष तक लगातार काम किया। ताजमहल मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था। इसे अमर प्रेम का प्रतीक माना जाता है।

ताजमहल दुनिया के सात अजूबों में से एक है। मुझे अपने माता-पिता के साथ ताजमहल देखने का मौका मिला। आगरा पहुँचकर हमने होटल में एक कमरा लिया और थोड़ी देर आराम करने के बाद हम ताजमहल देखने चले गए। रात को ताजमहल देखकर मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने सपना देखा हो।

ताजमहल को बने लगभग 400 साल हो गए परंतु आज भी इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। छः मीटर लंबे संगमरमर के चबूतरे पर ताजमहल खड़ा है। इसके चारों तरफ चार सुंदर मीनारें खड़ी हैं।

मकबरे के नीचे मुगल सम्राट शाहजहाँ और बेगम मुमताज की कब्रें हैं। ताजमहल को बनाने में करोड़ों रुपये खर्च हुए थे। अमर प्रेम के प्रतीक ताजमहल को दो दिन निहार कर हम वापिस अपने घर पहुँच गए। ताजमहल की सुंदरता का नजारा मैं आज तक नहीं भुला पाया।

3. मेरे जीवन का लक्ष्य

कुछ लोग भारी धन-संपत्ति अर्जित करने के सपने पालते हैं तो कुछ अपने चारों ओर भरपूर सुख-सुविधाएँ जुटा लेना चाहते हैं – अच्छा सुविधापूर्ण मकान, मोटरगाड़ी, नौकर-चाकर, यश-मर्यादा, ऊँचा पद, सुयोग्य और विनम्र संतान, अच्छे सहयोगी मित्र सभी के जीवन के लक्ष्य व स्वप्न हैं।

मेरे जीवन का लक्ष्य एक अच्छा शिक्षक बनना है। समाज का सबसे बड़ा संस्कारात्मक, सबसे बड़ा सुधारक और समाज-सेवी शिक्षक ही तो होता है।

कुछ लोग समझते हैं कि शिक्षक का सामाजिक, आर्थिक जीवन ऊँचा नहीं हो सकता है। उसे जीवन-भर आर्थिक तंगी के बीच से गुजरना पड़ता है, उसका सामाजिक सम्मान और स्तर भी डॉक्टर या इंजीनियर जैसा नहीं है, क्योंकि सामाजिक मान-प्रतिष्ठा का मापदंड तो आर्थिक स्थिति ही है, पर मैं समझता हूँ कि इन बातों में कोई सच्चाई नहीं है। चंद्रगुप्त का शिक्षक चाणक्य एक अध्यापक ही था। सिकंदर के गुरु अरस्तू को कौन नहीं जानता?

अध्यापक का कार्य बड़ा पवित्र और जिम्मेदारी का है। वह मनुष्य को सही अर्थों में मनुष्य बनाता है। मनुष्य को गढ़ना-सँवारना बड़ा नाजुक और जिम्मेदारी-भरा कार्य है, फिर मैं तो पहले ही कह चुका हूँ कि मेरे जीवन का लक्ष्य समाज का कल्याण है, लोकहित की राह है, आत्मसंतोष का पथ है। अतएव शिक्षण से अधिक और कोई भी कार्य मुझे ऐसा दिखाई नहीं देता, जिसके द्वारा मैं अपने को पवित्र और उज्ज्वल बनाए रखकर एक ओर समाज सेवा के ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त कर सकूँ, तो दूसरी ओर इसके निरंतर ज्ञान के ज्योतिर्मय संसार में रह पाऊँ।

4. पुस्तकालय का महत्व

'पुस्तकालय' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है–'पुस्तक' + 'आलय' अर्थात् 'पुस्तक का घर'। जहाँ पुस्तकों का संग्रह होता है, उन संग्रहालयों को पुस्तकालय कहा जाता है।

पुस्तकालय अनेक प्रकार के होते हैं; जैसे–व्यक्तिगत पुस्तकालय, विद्यालय या महाविद्यालय पुस्तकालय, सार्वजनिक पुस्तकालय, सरकारी पुस्तकालय आदि। व्यक्तिगत पुस्तकालय प्रायः घर में होता है। विद्यालय और

महाविद्यालय पुस्तकालय बच्चों के पढ़ने के लिए बनाए जाते हैं। सार्वजनिक पुस्तकालयों में कोई भी व्यक्ति सदस्यता लेकर पठन-पाठन कर सकता है। सरकारी पुस्तकालयों का उपयोग राज्य कर्मचारी या व्यक्ति विशेष ही कर सकते हैं।

पुस्तकालय मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। पुस्तकालय में विद्या की देवी सरस्वती जी का निवास होता है। पुस्तकें ज्ञान प्राप्ति का साधन होती हैं। इसलिए पुस्तकालय का व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों के लिए समान महत्त्व है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी रुचि के अनुसार सभी पुस्तकें नहीं खरीद पाता, यह उसकी सामर्थ्य से बाहर होता है। कुछ पुस्तकें प्राचीन होने के कारण बाजार में नहीं मिलतीं परंतु पुस्तकालय में मिल जाती हैं। ज्ञान के क्षेत्र में पुस्तकों का अत्यधिक महत्त्व है। पुस्तकों के द्वारा हमें धर्म, दर्शन, इतिहास, विज्ञान, व्याकरण, भूगोल आदि का ज्ञान प्राप्त होता है। पुस्तकालय ज्ञान वृद्धि और ज्ञान प्रसार का अच्छा साधन हैं। हमें ज्ञान प्राप्त करने के लिए इधर-उधर भागने की आवश्यकता नहीं होती। घर बैठे हमें पुस्तकों के द्वारा महात्मा बुद्ध, ईसा मसीह, शंकराचार्य, लेनिन, आचार्य चाणक्य, मार्क्स, बुद्ध, राष्ट्रपिता गांधीजी, कालिदास, शेक्सपियर, सुकरात, अरस्तू, सूरदास, तुलसीदास, मीरा और अज्ञेय आदि का परिचय मिल जाता है।

पुस्तकालय राष्ट्र के उत्थान की रीढ़ है और मानव जाति की अमूल्य निधि। आज के युग में हमारे देश में अच्छे पुस्तकालयों की कमी है। सरकार को पुस्तकालय-निर्माण पर बल देना चाहिए, क्योंकि ये मानव-ज्ञान की आधारशिला हैं। इनसे राष्ट्र-निर्माण होता है।

5. दूरदर्शन

आधुनिक विज्ञान ने मानव-जीवन को सुखी बनाने के लिए अनेक साधनों का आविष्कार किया है; जैसे–दूरदर्शन, रेडियो, कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल, कृषि-उपकरण आदि। इनमें से दूरदर्शन का आविष्कार, जिसे अंग्रेज़ी में 'टेलीविजन' कहते हैं, सन् 1929 में श्री जे. एल. बेयर्ड ने किया था। आज संसार में अधिक लोगों के पास दूरदर्शन है।

पहले दूरदर्शन पर चित्र केवल काले और सफेद रंगों में आते थे, किंतु आजकल रंगीन चित्र आने लगे हैं। रंगीन दूरदर्शन का अधिक प्रचार है। ये बड़े और छोटे दोनों आकार में उपलब्ध हैं।

दूरदर्शन श्रव्य-दृश्य माध्यम द्वारा हमें संसार भर के समाचारों से अवगत कराता है। यह विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हमारा मनोरंजन करता है। यह ज्ञान-विज्ञान से हमें परिपूर्ण करता है। बच्चों तथा नारियों के लिए भी अनेक कार्यक्रम आते हैं। छोटे तथा बड़े विद्यार्थियों के लिए भी शिक्षण-प्रशिक्षण के कार्यक्रम आते रहते हैं। दूरदर्शन हमारा भरपूर मनोरंजन करता है तथा हमें ज्ञान प्रदान करता है।

दूरदर्शन से व्यापारी अपने व्यापार का विज्ञापन भी प्रसारित करवाते रहते हैं। इससे उनके व्यापार में वृद्धि होती है। ग्राहकों को भी नई-नई वस्तुओं का ज्ञान होता है।

दूरदर्शन से जहाँ अनेक लाभ हैं, वहीं उससे बहुत हानि भी हो रही हैं। बच्चे दूरदर्शन पर अधिक समय देकर अपनी पढ़ाई के समय को नष्ट करते हैं। दूरदर्शन पर अनेक ऐसे कार्यक्रम भी आते हैं जो बच्चों तथा बड़ों के मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालते हैं। दूरदर्शन को निकट से देखने पर कितने लोगों की आँखें भी खराब होती जा रही हैं। अतः दूरदर्शन के प्रयोग पर हमें सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

सब मिलाजुलाकर अंत में यही कहना पड़ता है कि दूरदर्शन का बड़ा महत्व है। यह एक ओर हमारा बौद्धिक स्तर ऊँचा कर रहा है तो दूसरी ओर हमारा मनोरंजन।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) निबंध किसे कहते हैं?

(ख) निबंध के कितने भाग होते हैं? स्पष्ट कीजिए।

2. किसी ऐतिहासिक स्थान पर भ्रमण के विषय में कुछ पंक्तियाँ लिखिए—

3. निम्नलिखित शीर्षकों पर निबंध लिखिए—

(क) गणतंत्र दिवस

(ख) कंप्यूटर

(ग) मेरा विद्यालय

(घ) मेरा देश

(ङ) दशहरा

(च) मेरी प्रिय अध्यापिका

22

कहानी-लेखन
(Story-Writing)

प्रिय बच्चो! आपको कहानियों से स्वाभाविक प्रेम होता है। आप अपने घर में बड़े-बूढ़ों से कहानियाँ सुनते रहते हैं, विद्यालय में अपने अध्यापकों से कहानियाँ सुनते रहते हैं और अवकाश के समय में पत्र-पत्रिकाओं में कहानियाँ पढ़ते रहते हैं। फिर भी मनोरंजक कहानियाँ सुनने का आपके मन में चाव बना ही रहता है।

कहानी लिखते समय हमें नीचे दी गई बातों का ध्यान रखना चाहिए–

1. कहानी रोचक ढंग से आरंभ की जाए।
2. कहानी के शब्द और भाषा सरल हों।
3. कहानी का क्रम नहीं टूटना चाहिए।
4. कहानी का अंत शिक्षाप्रद हो।

कोई भी व्यक्ति आरंभ से ही कहानी लेखक नहीं बन जाता। नीचे दी गई विधियों से कहानी लेखन का अभ्यास करते रहना चाहिए–

(क) संकेतों के आधार पर
(ख) चित्रों के आधार पर
(ग) किसी घटना को आधार बनाकर सीधे कहानी लिखना।

संकेतों के आधार पर कहानी लेखन

नीचे दिए गए संकेत पढ़कर फिर पूरी कहानी पढ़िए–

एक लड़का – अमीर मित्र द्वारा खाने पर बुलाया जाना – रास्ते में एक अन्य गरीब मित्र का मिलना – कुछ आम भेंट करना – लड़के का आम फेंक देना – रास्ते में नदी में बाढ़ – वापस लौटना – ज़ोर की भूख लगना – फेंके हुए आम इकट्ठा करना – खाना – सीख।

अनोखा उपहार

मनोज नाम का एक लड़का था। उसका मित्र प्रदीप बहुत अमीर था। एक दिन प्रदीप ने मनोज को अपने घर खाने पर बुलाया। मनोज और प्रदीप के गाँव पास-पास ही थे। बीच में एक नदी पड़ती थी।

बरसात का मौसम था। मनोज प्रदीप के गाँव की ओर चल पड़ा। रास्ते में मनोज को उसका मित्र अनिल मिला। वह गरीब था। उसने मनोज को कुछ बढ़िया आम दिए। किंतु गरीब अनिल के द्वारा दिए गए आम मनोज ने रास्ते में ही फेंक दिए। वह तो प्रदीप के यहाँ तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजन, पकवान और मिठाइयाँ खाने का सपना देख रहा था। मनोज आगे बढ़ा। बरसात के कारण नदी में उस समय बाढ़ आई हुई थी। अब तो नदी पार करना उसके लिए असंभव हो गया। इसलिए उसे वापस लौटना पड़ा।

घर वापस लौटते समय रास्ते में मनोज को ज़ोरों की भूख लगी। तब उसे अनिल के दिए हुए आमों की याद आई। वह उस जगह पहुँचा, जहाँ उसने वे आम फेंके थे। मनोज धूल में सने हुए आम खाने लगा। अब उसकी जान-में-जान आई। उसने मन-ही-मन अनिल का आभार माना। वह समझ गया कि उत्तम वस्तु के लोभ में हाथ आई हुई साधारण वस्तु का कभी अनादर नहीं करना चाहिए।

अभ्यास
Exercise

1. निम्नलिखित संकेतों के आधार पर कहानियाँ लिखिए और उनका शीर्षक भी बताइए—

संकेत बिंदु

(क) एक गरीब लकड़हारा ———— लकड़ियाँ काटकर बाज़ार में बेचना ———— उन पैसों से घर चलाना ———— एक दिन जंगल में नदी किनारे एक सूखा पेड़ देखना ———— पेड़ पर चढ़कर सूखी डालियाँ काटना ———— अचानक कुल्हाड़ी का हाथ से छूटकर नदी में गिरना ———— दुखी होकर लकड़हारे का रोना ———— नदी में से जलपरी का आना ———— लकड़हारे से रोने का कारण पूछना ———— लकड़हारे की कहानी सुन जलपरी द्वारा उसकी मदद करना ———— जलपरी का नदी में जाना और सोने की कुल्हाड़ी लाकर लकड़हारे को देना ———— लकड़हारे द्वारा मना करना फिर नदी में जाकर चाँदी की कुल्हाड़ी लाना ———— लकड़हारे द्वारा फिर मना कर देना ———— मेरी कुल्हाड़ी तो लोहे की थी ———— जलपरी द्वारा लोहे की कुल्हाड़ी लाने पर लकड़हारे का खुश होना ———— जलपरी का उपहार देना।

संकेत बिंदु

(ख) अंधे और लँगड़े में मित्रता ———— गाँव में बाढ़ आना ———— गाँव के अन्य व्यक्तियों का सुरक्षित स्थान पर जाना ———— अंधे और लँगड़े का घबराना ———— एक उपाय सूझना ———— एक के पास आँखें, एक के पास टाँगें ———— लँगड़े का अंधे के कंधे पर बैठना ———— राह बताते जाना ———— दोनों का सुरक्षित स्थान पर पहुँचना।

2. अपनी कोई एक पसंदीदा कहानी लिखिए—

____

____

____

____

____

____

____

____